# प्रदीप्त संस्कार

## समर्पित .....

'प्रदीप्त - संस्कार' प्रस्तुत द्वितीय अंक स्वामी विवेकानन्द जी को उनकी 161वीं जयंती के उपलक्ष्य में समर्पित है। जिनका राष्ट्र प्रेम अद्वितीय था और उनकी दूर-दृष्टि आलौकित प्रतिभा से सम्पन्न थी। उनकी करनी एवं कथनी में एकरूपता थी, उनके शब्दों में जादू था, उनके संदेश एवं कार्य जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित कर उनका काया कल्प करने में सफल हुए, उनका संदेश एक घण्टे के लिए नहीं, वरन् सम्पूर्ण मानवता के लिए है। उनका संदेश केवल आंशिक सामाजिक सुधार के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रीय जीवन के सम्पूर्ण पहलूओं के पूर्ण पुर्नयौवन के लिए है। वे मानव के सर्वांगीण विकास की शिक्षा चाहते थे। युग दृष्टा स्वामी विवेकानन्द की इन्ही भावनाओं को आत्मसात् करते हुए हमारा महाविद्यालय भी ऐसे शिक्षकों के निर्माण के लिए कटिबद्ध है, जो अपने देश को शुद्ध सात्विक, तेजस्वी, दीर्घ और संस्कारित बना सकें।

तृतीय संस्करण

सत्र - 2023-24

# प्रदीप्त संस्कार

## सम्पादक मण्डल


प्रकाशक

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

संरक्षक

डॉ. श्रद्धा मिश्रा

(प्राचार्य)

मुख्य सम्पादक

श्रीमती रानी रजक

(विभागाध्यक्ष)

श्रीमती प्रियलता जायसवाल

(सहायक प्राध्यापक)

सम्पादक मण्डल सदस्य

श्रीमती प्रीति साहु, श्रीमती स्वाति शर्मा,

सह सम्पादक मण्डल सदस्य

श्रीमती स्मिता सिन्हा, श्री नितेश यादव

छात्र सम्पादक

छात्र संघ

**राजेश अग्रवाल**
विधायक
अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक - 10
निवास - लखनपुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.) 497116

## शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय द्वारा वार्षिक पत्रिका ''प्रदीप्त संस्कार'' के तृतीय संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिका **G-20** 2023 पर आधारित होने से इसकी प्रासांगिकता और बढ़ जाती है। **G-20** वसुधैव कुटुंबकम की समग्रता को धारण करते हुए 'एक धरती', 'एक परिवार' 'एक भविष्य' के सुनहरे सपनों संग ज्ञान, संस्कृति, धरोहर, आस्था और बौद्धिकता को दर्शाता है।

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय विद्या भारती द्वारा संचालित शिक्षक प्रशिक्षण संस्था है, महाविद्यालय में प्रशिक्षण के माध्यम से ऐसे शिक्षक तैयार करने में प्रयास रत है। जिनका विषय के सैद्धांतिक पक्ष के साथ व्यवहारिक पक्ष का ज्ञान हो, शिक्षकों का ज्ञान भारतीय ज्ञान-विज्ञान परंपरा से युक्त हों, राष्ट्र के प्रति आस्थावान हो, इनके अंदर की अंतर्निहित शक्तियां, शारीरिक, प्राणिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों का प्रकटीकरण हो, जब ये कुशल शिक्षक के रूप में समाज जीवन में जाएं तो भारत के नौनिहालों को गढ़ने में दक्ष हों। ताकि भारत का भविष्य ''विकसित भारत 2047'' तक भारत का प्रत्येक व्यक्ति भारत के साथ कदमताल व कंधे से कंधे मिलाकर चलने में सक्षम हों।

इतने पवित्र व श्रेष्ठ विचार परंपरा वाली संस्था और प्रकाशन से जुड़े सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ।

मैं ''प्रदीप्त संस्कार'' के तृतीय संस्करण के सफल प्रकाशन की मंगल कामना करता हूँ।।

राजेश अग्रवाल
विधायक

**प्रो. अशोक सिंह**
कुलपति
संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय
सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.) 497001

## शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रहा है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर अपने वार्षिक पत्रिका ''प्रदीप्त संस्कार'' का तृतीय संस्करण प्रकाशित करने जा रहा है। इस महाविद्यालय का अपना एक गौरवपूर्ण शैक्षणिक इतिहास रहा है। यहाँ से अनेक छात्र-छात्राओं ने अध्ययन कर समाज तथा राष्ट्र के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसी क्रम में इस पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थी अपनी रचना तथा बौद्धिक कौशल का प्रदर्शन कर अपने विचारों एवं कल्पनाओं को मूर्त रूप प्रदान करेंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। यह पत्रिका, जो कि **8-20** विषय पर आधारित है, विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरणा स्रोत होगी।

इसी आशा एवं विश्वास के साथ मैं पत्रिका प्रकाशन हेतु महाविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

अशोक सिंह

प्रो. अशोक सिंह
कुलपति
संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय
सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.)

**डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी**
कुलसचिव
संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय
सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.)

## शुभकामना संदेश

यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाष नगर अम्बिकापुर शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्य को समर्पित संस्था है। वर्तमान बदलते परिवेश में ज्ञान प्राप्ति की नई विधायें प्रचलन में आ रही है। अत: शिक्षकों को नवीनतम जानकारियों, उपयोगों अनुसंधान एवं शैक्षिक तकनीकी से निरंतर परिचित कराना एक महत्वपूर्ण कार्य है।

महाविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थाओं की पत्रिकाओं का अपना एक विशिष्ट स्थान और महत्व है। ये पत्रिकाएँ न केवल विद्यालय की छवि को उपस्थित करती है। बल्कि छात्रों के लिए भी अपनी रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर उपलब्ध कराती है।

मैं ''प्रदीप्त संस्कार'' के प्रकाशन से जुड़े सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ एवं इसके तृतीय संस्करण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी
कुलसचिव
संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय
सरगुजा, अम्बिकापुर (छ.ग.)

**सुभाष चन्द्र अग्रवाल**
अध्यक्ष
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## शुभकामना संदेश

आप सभी को महाविद्यालय पत्रिका - ''प्रदीप्त संस्कार'' के तृतीय संस्करण जो **0-20** पर आधारित है, के लिए मेरा अभिवादन और शुभकामनाएँ। इस महाविद्यालय पत्रिका के निर्माण में सहयोग देने के लिए आप सबका योगदान अद्वितीय है। यह पत्रिका हमारे शिक्षा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को सकारात्मक सोच और सक्रियता हेतु प्रेरित करने का माध्यम है जो आप सभी की कल्पना और प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देने हेतु रहा है।

इस पत्रिका के माध्यम से हम न केवल अच्छे अध्ययन के परिणामों को, बल्कि अपने सृजनात्मक समाजिक योगदान को भी साझा कर रहे हैं। इसमें आप सबके कल्पना, कौशल और सोच का प्रदर्शन है, जो हमारे महाविद्यालय को विश्व स्तर पर पहुँचाने का सकारात्मक प्रयास है।

मैं आप सभी को एक सकारात्मक दृष्टिकोण और उत्साह के साथ आगे बढ़ाने के लिए हृदय से शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

सुभाष चन्द्र अग्रवाल
अध्यक्ष
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

**श्री बसंत कुमार गुप्ता**
व्यवस्थापक
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर द्वारा वार्षिक पत्रिका ''प्रदीप्त संस्कार'' के तृतीय संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है इस वार्षिक पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राएँ अपनी रचना तथा कौशल का प्रदर्शन करते हुए विचारों एवं कल्पनाओं का स्वर्णिम रूप प्रदान करेंगे, निश्चित ही ''प्रदीप्त संस्कार'' पत्रिका **8-20** पर आधारित है जो कि वसुधैव कुटुम्बकम की समग्रता को धारण करते हुए 'एक धरती', 'एक परिवार', 'एक भविष्य' के सुनहरे सपनों के संग ज्ञान संस्कृति धरोहर आस्था और बौद्धिकता को दर्शाता है।

मैं पूर्णतः आस्वस्थ हूँ कि इस पत्रिका में छपे विषय महाविद्यालय के छात्रों के लिए संग्रहणीय और प्रेरणाप्रद होगा।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ।

श्री बसंत कुमार गुप्ता
व्यवस्थापक
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

श्री अनिल सिंह मेजर
उपाध्यक्ष
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा द्वारा महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका ''प्रदीप्त संस्कार'' के तृतीय अंक का प्रकाशन किया जा रहा है।

छात्रों की सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने व अभिव्यक्त का कौशल विकसित करने के लिए पत्रिकाएँ महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है।

प्रकाशन अपने उद्देश्यों में सफल हो इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

श्री अनिल सिंह मेजर
उपाध्यक्ष
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

**श्री राजरूप छाजेड़**
कोषाध्यक्ष
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## शुभकामना संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर द्वारा महाविद्यालयीन पत्रिका ''प्रदीप्त संस्कार'' का तृतीय संस्करण जो कि **G-20** पर आधारित है प्रकाशित किया जा रहा है।

आशा है कि यह पत्रिका विद्यार्थियों में विद्यमान रचना, धर्मिता को संपोषित कर उनके व्यक्तित्व को मुखर करेगी। मैं पत्रिका के सम्पादन से जुड़े समस्त महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

श्री राजरूप छाजेड़
कोषाध्यक्ष
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

**श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी**
सहव्यवस्थापिका
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर विशेष विशेष प्रसन्नता हुई कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका ''प्रदीप्त संस्कार'' का तृतीय संस्करण प्रकाशित करने जा रहा है। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय (2008 से अब तक...) शिक्षण - प्रशिक्षण के लिए प्रशंसनीय प्रयास किए हैं, जो महाविद्यालय के पद व गरिमा को बढ़ा रहा है। आगे भी आपका महाविद्यालय अच्छे से अच्छा शिक्षण - प्रशिक्षण प्रदान करे यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए प्राचार्य, शिक्षकवृन्द और छात्र-छात्राओं को मेरी ओर से कोटिश बधाईयाँ व शुभकामनाएँ।

Pratima

श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी
सहव्यवस्थापिका
सरस्वती शिशु मन्दिर समिति
अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

# प्राचार्य की लेखनीय से

अत्यंत हर्ष का विषय है कि सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय प्रदीप्त संस्कार की तृतीय अंक को प्रकाशित करने जा रहा हैं। प्रदीप्त संस्कार के द्वारा आप महाविद्यालय के विभिन्न गतिविधियों को देखते हैं जिसमें छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी प्रदत्त किये जाते हैं। शिक्षा महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के नैतिक, मानसिक, संवेगात्मक, संज्ञानात्मक व अन्य विकास को उत्कृष्ट बनाने हुतु किये जाते हैं। प्रत्येक दिवस विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन उनके कौशलों के विकास के लिए किया जाता है, जिसमें सभी छात्र-छात्राऐं अपनी प्रतिभागिता निश्चित करते हैं और अपनी प्रतिभा को निखारते हैं।

मुझे विश्वास है कि हमारे छात्र-छात्रायें आगे चल एक प्रबुद्ध विभिन्न कौशलों से परिपूर्ण सभ्य एवं भावी शिक्षक बनेंगे, और समाज के साथ ही देश के विकास में अपना यथा संभव सक्रिय योगदान देंगे।

इसी शुभकामनाओं के साथ आप सभी का सहृदय आभार।

डॉ. श्रद्धा मिश्रा
प्राचार्य
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय
सुभाष नगर अम्बिकापुर

# SARASWATI SHIKSHA MAHAVIDYALAYA

**Subhasnagar, Ambikapur, Surguja (C.G.)**

(Recognized By NCTE and Affiliated to Sant Gahira Guru University, Surguja (C.G.)
Web : www.ssmva.in | Email ID : ssmv08ambikapur@gmail.com)

Goyal Printing & Converting Industries | Mo. 9754462597

**स्थापना वर्ष - 2008**

**सत्र-2023-24**

# प्रदीप्त संस्कार

## सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अम्बिकापुर सरगुजा, छ.ग.

## सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)
## समिति के पदाधिकारी


श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल
अध्यक्ष

श्री अनिल सिंह मेजर
उपाध्यक्ष

श्री बसंत कुमार गुप्ता
व्यवस्थापक

श्रीमती प्रतिमा त्रिपाठी
सह-व्यवस्थापक

श्री राजरूप छाजेड़
कोषाध्यक्ष

## सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)
## शैक्षिक कर्मचारी


डॉ. [illegible] मिश्रा
प्राचार्य

श्रीमती रानी रजक
विभागाध्यक्ष

श्रीमती उर्मिला यादव
सहायक प्राध्यापक

श्रीमती प्रियंका जायसवाल
सहायक प्राध्यापक

श्री मिथलेश कुमार गुर्जर
सहायक प्राध्यापक

श्रीमती प्रीति साहु
सहायक प्राध्यापक

श्रीमती स्मिता सिन्हा
सहायक प्राध्यापक

श्रीमती स्वाति शर्मा
सहायक प्राध्यापक

## सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)
## अशैक्षणिक कर्मचारी


श्री अजीत परिहार
लेखापाल

श्रीमती [illegible] सिंह
ग्रंथपाल

श्री नितेश यादव
सहायक कम्प्यूटर ऑपरेटर

श्री सुन्दर राम
कार्यालय सहायक

श्रीमती गंगा पाल
भृत्य

सुश्री शशिकला
भृत्य

## बी.एड. प्रथम वर्ष 2023–2024

## बी.एड. द्वितीय वर्ष 2023–2024

## अनुक्रमणिका


| क्र. | विषय | रचियता | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 1 | भारतीय दृष्टिकोण में जी-20 वैश्विक आर्थिक मंच 2024 | डॉ. श्रद्धा मिश्रा | 1 |
| 2 | जी-20 में भारत की भूमिका | श्रीमती रानी रजक | 2 |
| 3 | The Group of Twenty - G20 | श्रीमती प्रियलता जायसवाल | 3-4 |
| 4 | कर्म और योग | मिथलेश कुमार गुर्जर | 5 |
| 5 | समाज का स्वरूप | श्रीमती प्रीति साहू | 5 |
| 6 | माँ | श्रीमती स्मिता सिन्हा | 6 |
| 7 | अभाव - भ्रष्टाचार | श्रीमती स्वाति शर्मा | 6 |
| 8 | क्रिकेट | नितेश यादव | 6 |
| 9 | अनुभव बनाम आयु - कविता | शिवम पाण्डेय | 7 |
| 10 | मेरी माँ - नवजवानों की ललकार | विवेक यादव | 8 |
| 11 | Three Friends and a Fisherman | देविका दुबे | 8 |
| 12 | पिता | सुनिता सिंह | 9 |
| 13 | समझदार बनें और अपने खाने के प्रति जागरूक रहें | पूजा बघेल | 9 |
| 14 | जिंदगी पर कविता | रामरतन | 10 |
| 15 | कोरोना काल में मजदूरों का पलायन | रामकुमारी | 10 |
| 16 | ज़िंदगी | ममता पाण्डेय | 11 |
| 17 | Motivational Quotes | बिमलेश कुमार यादव | 11 |
| 18 | प्यारी माँ के लिए | मनीष कुमार वर्मा | 12 |
| 19 | आत्मविश्वास | कौशिल्या | 12 |
| 20 | अपने आप पर यकीन रखो | ममता भगत | 13 |
| 21 | आइये 'पक्षियों से कुछ सीखें | मनोज गुप्ता | 13 |
| 22 | खालीपन | खुशबू रानी लकड़ा | 14 |
| 23 | छोटी सी बिटिया | ऋचा सिंह | 14 |
| 24 | मेरा महाविद्यालय | ज्योतिष राजवाड़े | 15 |
| 25 | मेरे विचार | रीना मानिक | 16 |
| 26 | सबकी अपनी दुनिया है | मुनेश्वरी | 16 |
| 27 | क्या है प्रतिनिधित्व? - मेरा प्यारा सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय | प्रिया रानी पटेल | 16-17 |
| 28 | मेरे सपने | विशाल कश्यप | 17 |
| 29 | Teacher | रूचि तिर्की | 18 |

## अनुक्रमणिका


| क्र. | विषय | रचियता | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 30 | कोशिश कर | आभा रानी भगत | 18 |
| 31 | छत्तीसगढ़ सुविचार | चंदा सिंह | 19 |
| 32 | अभिमान | पिंकी सिंह | 19 |
| 33 | मेरे सपने | बिन्दु बघेल | 20 |
| 34 | Nature A Great Teacher | पल्लवी सरकार | 20 |
| 35 | ज्ञान पर निबंध | राजेश कुमार सिंह | 21 |
| 36 | Maths A Challenge | शुभम कुमार बोस | 21 |
| 37 | कहानी : जीवन के लिए आधार | कुमारी मिलासो तिग्गा | 22 |
| 38 | कहानी : छिपा हुआ खजाना | काजल सोमवानी | 23 |
| 39 | आखिर तुम होते कौन हो? - सुनहरा मौका | नेहा सिंह | 23 |
| 40 | गणित पर कविता | सुखपाल पटेल | 24 |
| 41 | बचपन पर कविता | पंकेश्वर साय | 24 |
| 42 | मँहगाई बड़ी रूलाए - नारीनामा | शशी साहू | 24 |
| 43 | माँ पर कविता | टिकेश्वरी | 25 |
| 44 | शिक्षक एक मंदिर निर्माता | अंजली एक्का | 25 |
| 45 | नारी शक्ति कविता : मेरा तो कहना है तुझसे | लीलावती | 25 |
| 46 | कहानी : टीचर और स्टूडेंट | स्वाति सोनहत | 26 |
| 47 | वार्षिक गीत | शिवांगी सिंह | 26 |
| 48 | हाय रे मोबाईल - नरवा गरवा घुरवा बारी | आकांक्षा राठिया | 27 |
| 49 | कन्यादान | चुनरी वैष्णव | 28 |
| 50 | मेरे प्यारे पापा - माँ की ममता | सुप्रिया पैकरा | 28 |
| 51 | दर्द शहीद की पत्नी का | जागृति सिंह | 29 |
| 52 | मुझे घर याद आता है.... | प्यारे लाल | 29 |
| 53 | सुन्दर विचार | सुशीला तिर्की | 30 |
| 54 | कहानी एक पौधे की | काजल गुप्ता | 30 |
| 55 | शिक्षा का महत्व | अभिनव कुमार कुशवाहा | 30 |
| 56 | बारिश | अमीशा लकड़ा | 31 |
| 57 | बेटी तुम बड़ी मत होना | संध्या | 31 |
| 58 | No Instant Opinion People | प्रशांत दुबे | 32 |

## अनुक्रमणिका


| क्र. | विषय | रचियता | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 59 | NEP 2020 at a Glance NEp-New Education Policy | प्रिया दुबे | 32 |
| 60 | Why God Loves Little Boys | विवेक कुशवाहा | 33 |
| 61 | Save Water | कृपन्ती बाई | 33 |
| 62 | विचार - तीन बातें | दिव्या चौहान | 33 |
| 63 | ज़िंदगी पर कविता | सपा बड़ाईक | 33 |
| 64 | छत्तीसगढ़ी कविता - सब चीज नंदावत हे | बबीता सिंह | 34 |
| 65 | कविता - प्रकृति | छाया गुप्ता | 34 |
| 66 | मधुशाला | पूर्णिमा कुमारी | 35 |
| 67 | भारत में जी-20 का स्वागत ''वासुधैव कुटुम्बकम'' | प्रियंका शर्मा | 35-36 |
| 68 | भारतीय संस्कृति का जादू-देशी वेशभूषा में नजर आये विदेशी मेहमान | रिया तिवारी | 36 |
| 69 | जी-20 भारत 2023 | हर्षा साहू | 37 |
| 70 | भारत 2023 - वासुधैव कुटुम्बकम् | पूजा यादव | 37 |
| 71 | जी-20 भारत 2023 | विवेक गुप्ता | 38 |
| 72 | जी-20 शिखर सम्मेलन | सत्यप्रकाश जयसवाल | 39 |
| 73 | जी-20 | आशिक मिंज | 40 |
| 74 | जी - 20 वसुधैव कुटुम्बकम् | परमेश्वरी | 40 |
| 75 | India's G20 Presidency | पूजा सिंह | 41-42 |
| 76 | भारत 2023 - वासुधैव कुटुम्बकम् | रमाकणी दिवाकर | 43-44 |
| 77 | जी-20 शिखर सम्मेलन | नीतु तिर्की | 44 |
| 78 | चित्रकला | पूजा बरला | 45 |
| 79 | चित्रकला | सत्यप्रकाश जयसवाल | 46 |
| 80 | चित्रकला | चन्द्र प्रकाश | 47 |
| 81 | चित्रकला | प्रीति राजवाड़े | 48 |
| 82 | चित्रकला | खुशबू भारती | 49 |
| 83 | चित्रकला | स्नेहा कुशवाहा | 50 |
| 84 | भारत 2023 | कृष्णा साहू | 51-52 |
| 85 | माता-पिता के परिश्रम | सरिता अनंत | 52 |
| 86 | चित्रकला | सुमन सिंह | 53 |
| 87 | चित्रकला | आरती राजवाड़े | 54 |

## अनुक्रमणिका


| क्र. | विषय | रचियता | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| 88 | चित्रकला | ममता राजवाड़े | 55 |
| 89 | चित्रकला | अमीना लकड़ा | 56 |
| 90 | जी-20 भारत 2023 | तुषार प्रधान | 57-58 |
| 91 | वर्तमान परिदृश्य और गांधीवाद | आशुतोष कुमार उपाध्याय | 59 |
| 92 | विगत वर्षों के परीक्षा परिणाम | | 60-62 |

# ''भारतीय दृष्टिकोण में जी-20 वैश्विक आर्थिक मंच 2024''

जी20 (**G20**) वैश्विक आर्थिक संगठन है, जो विश्व की 20 सबसे प्रमुख आर्थिक शक्तियों को एक साथ लाता है। इस मंच का मुख्य उद्देश्य वैश्विक आर्थिक मामलों पर चर्चा करना, सहयोग बढ़ाना और वैश्विक आर्थिक सुधारों को प्रोत्साहित करना है। जी20 का संघ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहराई से विचार करता है, जैसे कि वित्तीय स्थिरता, वित्तीय निवारण, व्यापार नीति, और क्लाइमेट चेंज।

2024 में होने वाले जी20 सम्मेलन में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारत, एक विकासशील और अर्थव्यवस्था में तेजी से बदलाव का मुख्य स्रोत है, और इसलिए उसका योगदान जी20 की नीतियों और निर्णयों में महत्वपूर्ण है।

भारतीय दृष्टिकोण से जी20 में योगदान की धाराओं का अध्ययन करते हुए, हम देखते हैं कि भारत ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को समर्थन देने और अपने हितों की रक्षा करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई है। विशेष रूप से, भारत ने वित्तीय संरक्षण, वित्तीय स्थिरता, और वित्तीय सहायता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है।

वित्तीय स्थिरता के मामले में, भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए कई सुधार किए हैं, जैसे कि बैंकिंग संशोधन और प्रणालियों की सुधार। वित्तीय स्थिरता को संरक्षित करने के लिए, भारत ने अपनी वित्तीय नीतियों में सुधार किए हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को बाहरी संघर्षों के खिलाफ मजबूती मिली है। इसके अतिरिक्त, भारत ने अपने आर्थिक साक्षरता और सामर्थ्य को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है।

जी20 में भारत का सक्रिय योगदान आर्थिक संगठन की नीतियों को संवारने में महत्वपूर्ण है, और भारतीय दृष्टिकोण से इसे और भी महत्वपूर्ण बनाता है। भारत की अद्वितीय आर्थिक और सांस्कृतिक पहचान इसे वैश्विक मंचों में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनाती है, और जी20 में इसका समर्थन करना आर्थिक सामर्थ्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रकार, भारतीय दृष्टिकोण से जी20 को देखते हुए, हम देख सकते हैं कि भारत ने वैश्विक आर्थिक मंच में अपनी अहम भूमिका निभाई है, और आगे बढ़ते हुए, यह अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में और भी सक्षम हो रहा है। इससे न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को बल मिलता है, बल्कि यह विश्व के लिए भी एक सकारात्मक संकेत है कि सहयोग और साझेदारी के माध्यम से हम सभी विकसित और विकासशील देशों के साथ एक समृद्ध भविष्य की दिशा में काम कर सकते हैं।

**वैश्विक मान्यता और आर्थिक कौशल -**

भारत, जो कभी हाशिये पर रहा था, अब अपनी आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता के लिये वैश्विक ध्यान आकर्षित कर रहा है। 1.4 बिलियन से अधिक की आबादी, एक गतिशील कार्यबल और सहायक सरकारी नीतियाँ भारत की जीडीपी में नियमित वृद्धि में योगदान करती हैं।

**भारत एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में -**

दावोस में भारत की भागीदारी एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार और त्यागी अर्थव्यवस्था के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करती है। सहयोगात्मक वैश्विक उन्नति के लिये देश की तिबद्धता विश्व के लिये एक उज्ज्वल, संवहनीय भविष्य को आकार देने में इसकी भूमिका को परिलक्षित करती है।

प्राचार्य
डॉ. श्रद्धा मिश्रा
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

# G 20 में भारत की भूमिका -

**G20** में भारत की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है जो वैश्विक आर्थिक नीतियों पर चर्चा और समन्वय करने के लिए एकत्रित होता है। **G20** में अपनी भागीदारी के माध्यम से, भारत के पास अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक निर्णयों और नीतियों को प्रभावित करने का मौका है। इसके मजबूत आर्थिक विकास और बढ़ते वैश्विक प्रभाव ने भारत को **G20** के भीतर एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जहां यह आर्थिक मुद्दों से निपटने और सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिए अन्य सदस्य देशों के साथ सहयोग करता है। इसके अतिरिक्त, **G20** में भारत की भागीदारी उसे अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और व्यापार, निवेश और वित्तीय नियमों पर वैश्विक चर्चा में योगदान करने की अनुमति देती है। संक्षेप में, **G20** में भारत की उपस्थिति वैश्विक अर्थव्यवस्था में इसके बढ़ते महत्व और विश्वव्यापी चुनौतियों से निपटने के लिए अन्य देशों के साथ सहयोग करने के समर्पण को उजागर करती है।

2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के मेजबान के रूप में भारत की भूमिका इसे बैठक के एजेंडे और परिणामों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण प्रभाव देती है। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद है।

**जलवायु परिवर्तन और सतत विकास-**

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में एक प्रमुख योगदानकर्ता भारत ने अपने कार्बन पदचि को कम करने के लिए प्रतिबद्ध किया है और जी20 शिखर सम्मेलन के मेजबान के रूप में जलवायु परिवर्तन और सतत विकास को संबोधित करने में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। भारत विकासशील देशों को उनके जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है।

**डिजिटल अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी-**

हाल के वर्षों में तेजी से विकास के साथ भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अग्रणी खिलाड़ी है। जी20 शिखर सम्मेलन के मेजबान के रूप में, भारत से प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था में सदस्य देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की वकालत करने की उम्मीद है। भारत ने डेटा गोपनीयता, साइबर सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी चिंताओं को प्राथमिकता दी है।

**वित्तीय विनियमन और आर्थिक विकास-**

भारत, एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, ने विकास को प्रोत्साहित करने के लिए आर्थिक सुधार लागू किए हैं और समावेशी आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए वित्तीय विनियमन में देशों के बीच सहयोग बढ़ाने की वकालत कर रहा है। भारत 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के एजेंडे और परिणामों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देश से जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, वित्तीय विनियमन, आर्थिक विकास और स्वास्थ्य और महामारी तिक्रिया को प्राथमिकता देने की उम्मीद है। अधिक समावेशी, लचीला और टिकाऊ वैश्विक भविष्य बनाने के लिए इन क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व आवश्यक होगा।

विभागाध्यक्ष
श्रीमती रानी रजक
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

# The Group of Twenty - G20

## Introduction -

The Group of Twenty, or G20, is the premier forum for international cooperation on the most important aspects of the international economic and financial agenda. It brings together the world's major advanced and emerging economies. The G20 comprises Argentina, Australia, Brazil, Canada, China, EU, France, Germany, India,Indonesia, Italy, Japan, Mexico, Russia, Saudi Arabia, South Africa, South Korea, Turkey, UK and USA. The G20 Countries together represent around 90% of global GDP, 80% of global trade, and two thirds of the world's population.

## The objectives of the G20 are -

a) Policy coordination between its members in order to achieve global economic stability, sustainable growth;

b) To promote financial regulations that reduce risks and prevent future financial crises; and

c) To create a new international financial architecture.

## Origin and Evolution -

The G20 was created in response to both to the financial crises in at arose in a number of emerging economies in the 1990s and to a growing recognition that some of these countries were not adequately represented in global economic discussion and governance. In December 1999, the Finance Ministers and Central Bank Governors of advanced and emerging countries of systemic importance met for the first time in Berlin, Germany, for an informal dialogue on key issues for global economic stability. Since then, Finance Ministers and Central Bank Governors have met annually. India hosted a meeting of G20 finance ministers and central bank governors in 2002. G20 was raised to the Summit level in 2008 to address the global financial and economic crisis of 2008.

## Organizational Structure of G20 -

The G-20 operates without a permanent secretariat or staff. The chairotates annually among the members and is selected from a different regional grouping of countries. The chair is part of a revolving three-member management group of past, present and future chairs referred to as the Troika. The current chair of the G-20 is Mexico; the next Chair will be Russia. The preparatory process for the G20 Summit is conducted through the established Sherpa and Finance tracks that prepare and follow up on the issues and commitments adopted at the Summits. The Sherpas' Track focuses on non-economic and financial issues, such as development, anti

corruption and food security, while addressing internal aspects such as procedural rules of the G20 process.

**India and G-20 -**

India's participation in the G20 process stems from the realization that as a major developing economy India has a vital stake in the stability of the international economic and financial system.

India has been actively involved in the G20 preparatory process both at the Sherpas Track and the Financial Track since its inception. The Prime Minister participated in all seven G20 summits. India's agenda at the G20 Summits is driven by the need to bring in greater inclusivity in the financial system to avoiding protectionist tendencies and above all for ensuring that growth prospects of developing countries do not suffer. India has strived to ensure that the focus of the global community remains on the need to ensure adequate flow of finances to emerging economies to meet their developmental needs.

India has welcomed the inclusion of development as an agenda item of G20 process at the Seoul Summit and supported the Seoul Development Consensus and the associated Multi-Year Action plans. Prime Minster called for the recycling of surplus savings into investments in developing countries to not only address immediate demand imbalances but also developmental imbalances.

India has worked to maintain the dynamism and credibility of G20 deliberations for establishing a framework for strong, sustainable and balanced growth, strengthening international financial regulatory systems, reforming Bretton Woods's institutions, facilitating trade finance, pushing forward the Doha agenda. India, as a co-chair of Framework Working Group on Strong, Sustainable and Balanced Growth, tried to refocus the energies of the group towards growth, jobs, fiscal consolidation, rebalancing demand from the public sector to the private, and to risks arising from internal imbalances within the Eurozone. India remains committed to the G20 process for achieving a stable, inclusive and representative global economic and financial system.

Russia would take over the Presidency of the G20 with effect from 1 December 2012 followed by Australia in 2014 and Turkey in 2015. The next G20 Summit is scheduled to be held in Russia in 2013.

**Priyalata Jaiswal**
Assistant Professor
Saraswati Shiksha Mahavidyalaya

## कर्म और योग

गीता में कर्म योग के महत्व पर बहुत अधिक बल दिया गया है।कर्मयोग का तात्पर्य बताया गया है कि 'कर्म' जगत के लिए और 'योग' स्वयं के लिए होना चाहिए। इसका सीधा सा अर्थ है कि कर्म का उद्देश्य कर्तव्यों का निर्वाह एवं इस प्राकृतिक जगत की सेवा है न कि अपने अहम का पोषण। यदि संसार में किसी को कोई पद मिला है तो वह पद उसकी निजी संपत्ति नहीं है, उस पर उसका एकाधिकार नहीं है। जब आप किसी पद को सुशोभित कर रहे हैं तो इससे जुड़े कर्तव्यों का पालन करने को भी आप बाध्य हैं। पद की शक्ति स्थाई नहीं, आपने उसका सृजन नहीं किया, यह शक्ति बाहर से मिली है ।

इसी प्रकार यह शरीर, मन, बुद्धि, विवेक, इंद्रियां सब कुछ हमें बाहर से मिले हैं। इनमें से किसी का भी सृजन हमने नहीं किया है। हमें ये इसलिए प्रदान की गई है कि जिससे कि हम अपने कर्तव्यों की पूर्ति करके अपने कर्म बंधनों के जाल को काट सकें। हम कर्म तो करते हैं, लेकिन जाल को कम नहीं करते, अपितु उसे और उलझाते जाते हैं। फिर जब दुख पुरे वेग से आकर हमें धराशायी कर देता है तब भी हम स्वयं को दोषी न मानकर दूसरों पर दोषारोपण करना शुरू कर देते हैं।

देव उपासना में लीन व्यक्ति यदि मन में किसी के प्रति वितृष्णा के भाव ला रहा है तो देव की उपासना जैसा सात्विक कर्म भी तमस कर्म की श्रेणी में आएगा। सूक्ष्म सदैव स्थूल की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है। मन से किया गया कार्य अधिक महत्व रखता है। व्यक्ति सोचता है कि मैं तो प्रतिदिन घंटों-घंटों भर जप करता हूं, तब भी सुखद फल नहीं मिलता। आप शरीर से वाणी से कर्म कर रहे हैं, योग नहीं कर रहे हैं। योग का अर्थ है कर्मों में निर्लिप्तता। आपको दुख नहीं चाहिए तो सुख भी छोड़ना पड़ेगा। दोनों एक साथ ही पुलिंदे में बंधकर मिले हैं। कर्मयोग से सिद्ध हुए तत्वज्ञ भली-भांति समझते हैं कि कर्मों से ही बंधन है और कर्मों से ही मुक्ति।

मिथलेश कुमार गुर्जर
सहायक प्राध्यापक
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

## समाज का स्वरूप

समाज का स्वरूप आज बदलता हुआ देखकर ग्रामीण जीवन का स्मरण स्वत: मस्तिष्क में आ जाता है, वह स्वरूप जो एक संयुक्त स्वरूप खुशियां, व्यंजन एवं कई रिश्तों से युक्त हैं। गाँव के जीवन में सबसे प्रिय मुझे सभी का साथ रहना लगता है, जिसमें रिश्तों से बंधा एक परिवार जो एक-दूसरे की खुशियों में खुश व दुख में साथ खड़ा दिखाई देता है। यह स्वरूप केवल बड़ों के प्रति आदर, सद्भाव को ही प्रदर्शित करता है। वर्तमान समय में एकल परिवार अवश्य आर्थिक, सामाजिक, नैतिक, व्यवहारिक इत्यादि विकास हेतु संयुक्त परिवार आज भी वर्तमान समय की मांग है। यह जीवन गाँव से लेकर शहर तक स्थापित करना हम युवा पीढ़ी के माँग होनी चाहिए, केवल माता-पिता नहीं अपितु दादा-दादी, चाचा-चाची, भाई-बहन सभी का प्रेम, डांट सर्वांगीण विकास के लिए अति आवश्यक पहलु है।

## कविता

विचरण करते सपने मेरे
युग-युग गुजरा करते हैं।
कभी यह विचरण करते जिन
पर कभी आसमान में उड़ते हैं।
आज यह सपने उड़ते-उड़ते
पहुँच गये बचपन की ओर
खिलौने, प्रेम, स्नेह, मुस्कान को
पाने हेतु यह तंग सभी को करते हैं।
सभी हमारे पीछे होते सभी
हँसाया करते हैं।
रो दे जो छोटी सी बात पर
सभी खिलाया करते हैं।

श्रीमती प्रीति साहू
सहायक प्राध्यापक
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

## माँ

**माँ होकर मैंने जाना कितना मुश्किल है ''माँ'' होना** माकर मैंने जाना कितना मुश्किल है बच्चों का 'जहाँ' होना, कैसे माँ जिम्मेदारियाँ उठाते-उठाते बूढ़ी हो जाती है, और जब जिम्मेदारियों से मुक्त होकर खुद के लिए कुछ करना चाहे तो सब कहते हैं, की देखो बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम लगाती है, दूसरों की हँसी से खुद को बचाने के लिए खुद की खुशी का गला खुद ही दबाना, **माँ होकर मैंने जाना कितना मुश्किल है 'माँ' होना** बच्चे यदि लायक निकल जाएं तो ताज पिता के सर पर है, और यदि नालायक हों तो लाज माँ के घर के है, कुण्ठित बातों को खुद में समा कर कुण्ठा से बच्चों को बचाना, **माँ होकर मैंने जाना कितना मुश्किल है ''माँ'' होना,** बड़ी-बड़ी सब बातें करते सबके बड़े-बड़े सपने हैं, एक समय ऐसा है आता जब 'माँ' के शिवा सब अपने हैं, हर गलती पर टोक-टोक कर खुद के बच्चों की नजरों में बुरा होना, **माँ हो कर मैंने जाना कितना मुश्किल है 'माँ' होना**

श्रीमती स्मिता सिन्हा
सहायक प्राध्यापक
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

## अभाव

अभाव आखिर होता क्या है, अभाव, जिस परिस्थिती के आने पर पता चले आँटे-दाल का भाव।

जब उपयोगी वस्तु कभी चाहकर भी मिल नहीं पाती है, तो वही परिस्थिती मनुष्य के लिए अभाव कहलाती है। अभाव एक ऐसी बीमारी है,

जो आ जाये जीवन में तो बन जाती महामारी है अभाव जिस किसी के जीवन में एक बार आ जाती है तो अभाव उस जीवन को एक त्रासदी बना जाती है अभाव जीवन में केवल वस्तुओं का नहीं होता है, जीवन में असली अभाव तो रिश्तों और नातों का होना है।

## भ्रष्टाचार

आज जब कभी उठती है नजर तो दिखता कुछ नहीं, दिखती है तो बस भ्रष्टाचार की काली स्याह दिखती है। मैं तोड़ना चाहता हुँ भ्रष्टाचार की इस दीवार को मगर मेरी हिम्मत कभी-कभी जवाब दे जाती है। सुना था मैंने की एक दानव है आज के जमाने में जिसको जन्म दिया है भ्रष्टाचार के इस ताने-बाने में। इस भ्रष्टाचार से त्रस्त है सारा समाज और संसार इस समाज व संसार को खोखला कर रहा है भ्रष्टाचार का दानव लगातार।

इस भ्रष्टाचार रूपी दानव का वद्ध करना है मुश्किल पर नामुमकिन नहीं। इस भ्रष्टाचार के दानव के वद्ध का उपाय मिलेगा इस समाज में ही कहीं। भ्रष्टाचार के दानव का वद्ध होगा तभी जब जनता भरे यह हुँकार ''ईमानदारी ही जीवन का साय, ईमानदारी ही जीवन का आधार।

श्रीमती स्वाति शर्मा
सहायक प्राध्यापक
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

## क्रिकेट

वो बचपन भी क्या जमाना था,
हाथों में लकड़ी का बल्ला,
और दिल क्रिकेट का दिवाना था,
हर गली में बच्चे, खुद को बेहतरीन खिलाड़ी समझते थे
न खाने-पीने का होश, न ढंग से कभी नहाना था,
सुबह उठकर, जैसे-तैसे बस खेल के मैदान में जाना था।
छक्के - चौके, यूं लगाते थे हम,
जैसे आज नहीं घर जाना था।
हर गली-हर नुक्कड़ में सब हमारे खेल के दिवाने थे
वो बचपन भी क्या जामाना था।
हाथों में लकड़ी का बल्ला,
और दिल क्रिकेट का दिवाना था।

नितेश यादव
सहायक कम्प्यूटर ऑपरेटर
सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

## अनुभव बनाम आयु

यद्यापि कभी दो जीवन के द्रोण में एक अर्जुन का चयन फंस जाता है। तो सर्वश्रेष्ठ चुनना रेत में सुई ढूंढने जैसा हो जाता है। इसी तरह अगर मैं पूछूँ ''अनुभव'' और ''आयु'' की लड़ाई में बड़ा कौन ?आप में से कुछ कहेंगे अनुभव और कुछ आयु, जबकी वास्तविक सत्य तो यह है कि आयु तो केवल गणितीय गणना है मनुष्य के व्यतीत जीवन और आगामी जीवन की परन्तु अनुभव एक साधना है उस यात्रा की जो उसने जन्म से जी है और अतं तक एक उसको प्राप्त करेगा। अनुभव वह है जो आपको करने (प्रयास) से आता है अर्थात सीखने से आता है। इसका अर्थ है कि अनुभव से आई हुई चीज स्वयं में सर्वश्रेष्ठ है उसको आपसे बेहतर कोई नही जान सकता उसकी बारीकियां, कमिया, बेहतरी के जर्रे-जर्रे का ज्ञान होगा, क्योंकि वो आपका स्वंय का अनुभव है। आयु तो एक निहीत वस्तु की भी बढ़ती है, आयु आपकी शिक्षा का स्तर बढ़ा सकती है, और आयु के साथ अनुभव का विकास प्रखर है, परन्तु अनुभव आपको बड़ा बनाता व्यक्तित्व को बड़ा बनाता है। आपके अनुभव इकट्ठा कीजिए वो आपको पक्का बनाएगा, ज्ञान आपको आपका हक दिलाएगा परंतु अनुभव उसपर आपको कायम रखेगा । वर्तमान परिवेश में प्रैक्टिकल चीजों की मांग है, किसी भी कम्पनी का प्रारंभिक आग्रह अनुभव है।

तो, सीखिए, सिखाइए और **Experience** कमाइए, योग्य होना अच्छी बात है पर उसी योग्यता को कायम रखना बड़ी बात है।

## कविता

जब कभी झुठ की बस्ती में,
सच को तड़पते देखा है।
तब मैंने अपने भीतर किसी
बच्चे को सिसकते देखा है।
माना तू सबसे आगे है,
मगर न बैठ यहाँ अभी जाना है,
मैंने दो चार कदम पर मंजिल
से लोगो को भटकते देखा है।
धन दौलत, रिश्ते, शोहरत
मेरी जान भी कोई चीज नहीं
मैंने इश्क की खातिर खुद से भी
आदम को निकलते देखा है
ये हुस्न ओ सब तो ठीक है
लेकिन गुरूर क्युँ तुमको इस पर हैं
मैंने सूरज को हर शाम इसी
आसमा में ढलते देखा है।

शिवम पाण्डेय
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मेरी माँ

जब भी करूं कोई गलती, तेरी हर डांट में भी तेरा प्यार पाया है मेरी माँ। लग जाये मेरी उम्र भी तुझे मेरी माँ, मेरी ऐ जिन्दगी तेरी ही तो है मेरी माँ!!

तु है तो मैं हूँ मेरी माँ तुझसे ही तो मिली है ये सांसें मेरी माँ तेरे हाथों को थाम कर चलना सीखा हूँ मेरी माँ। जब भी डर का साया छाया मुझपे तेरी गोद में हमेशा खुद को सिमटा पाया हूँ मेरी माँ।

## नवजवानों की ललकार

अब जाग उठो तुम नवजावानों कि, ललकार सारी दुनिया से आई है।

दिखा दो तुम अपनी सक-क्षमता आज सारा समाज तुम पे आश लगाई है।

बन जाओ तुम उस रोशनी दिये कि। क्योंकि अब घनघोर कालीमा आई है।

अब तो जाग उठो तुम नवजवानों, देखो अपना खून भी बदलने को आई

विवेक यादव
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## "Three Friends and a Fisherman"

Many Fish live in a large pond of all these Pisces, three are best friends who are always together. They never separate from each other.

One day a fisherman comes to this pond seinly much fish, he invites other fisherman to drop their nets. The three fish are afraid of being caught and killed by the fisherman.

The wise fish among them says "We must find another pond and get out of here quickly.

While are fish agrees, the other, hesitates, feeling that this pond is his home. He says : "We must not act cowardly, this pond is our home.

The other two fish try so hard to conical their friend but fail. So they decide to split up and go in search of a new pond. The next day when the fisherman arrive, the fish that did not want to leave is caught and dies.

**Moral of the story -**

Always look at the big picture and let go of temporary attachments in times of crisis.

**Devika Dubey**
B.Ed IInd Year

## ''पिता''

माँ घर का गौरव तो पिता घर का अस्तित्व होते हैं माँ के पास अश्रुधारा तो पिता के पास संयम होता है।

• दोनों समय का भोजन माँ बनाती है। तो जीवन भर भोजन की व्यवस्था करने वाला पिता होता है।

• कभी चोट लगे तो मुंह से ''माँ'' निकलता है।

• रास्ता पार करते वक्त कोई पास आकर ब्रेक लगाये तो ''बाप'' रे ही निकलता है।

क्योंकि छोट-छोटे संकट के लिए माँ याद आती है। मगर बड़े संकट के वक्त पिता याद आता है।

पिता एक वृक्ष है जिसकी शीतल छाव में सम्पूर्ण परिवार सुख से रहता है।

सुनिता सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## समझदार बनें और अपने खाने के प्रति जागरूक रहें

कॉलेज के एक लड़के ने नौ इंच पिज्जा के लिए काउंटर पर पैसे देकर रसीद ली। जब उसने कूपन किचन पर दिया तो शेफ ने माफी मांगी कि नौ इंच पिज्जा बेस खत्म हो गया है और वह दो से 5 इंच व्यास के पिज्जा दे सकता है जिससे एक इंच ज्यादा पिज्जा मिलेगा। खुश होने के बजाय लड़के ने दबी मुस्कान के साथ पूछा, क्या रेस्त्रां के जनरल मैनेजर से बात कर सकता हूं। मैनेजर के आने पर लड़के ने उसे सर्कल के क्षेत्रफल का फॉर्मूला बताया जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

लड़का बोला, ' अगर सर्कल एरिया = $\pi r_2$ है जहां $\pi$= 3.1415 और r सर्किल की त्रिज्या (रेडियस) है, तो सर्कल का क्षेत्रफल 63.62 वर्ग इंच होगा। वहीं 5 इंच के सर्कल के लिए गणना करें तो 19.63 वर्ग इंच आएगा। अगर आप मुझे 5 इंच के दो पिज्जा देंगे, तो भी जोड़कर 39.26 वर्ग इंच ही होगा। तीन पिज्जा पर भी मुझे नुकसान होगा। चूंकि मैंने 63.62 इंच के पैसे दिये हैं, इसलिए मुझे चार 5 इंच पिज्जा दीजिए। मैनेजर हक्का-बक्का रह गया और देखने वालों ने लड़के की सराहना की।

''अब सवाल यह नहीं कि गणितीय पहलु से गणना करनी चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि आप कितनी होशियारी से तर्क-वितर्क करते हैं।

अंतत: लड़के को मनचाहा पिज्जा मिला क्योंकि मैनेजर गणित में कमजोर था।

पूजा बघेल
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## जिंदगी पर कविता

छोटी सी है जिन्दगी
हर बात में खुश रहो .....

जो चेहरा पास ना हो
उसकी आवाज में खुश रहो .....

कोई रूठा हो आपसे
उसके अंदाज में खुश रहो .....

जो लौट के नहीं आने वाले
उनकी याद में खुश रहा .....

कल किसने देखा है .....
अपने आज में खुश रहो .....

रामरतन
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## विषय : कोरोना काल में मजदूरों का पलायन

मंच जिसे उनसे ही
हरदम सजाए जाते हैं।
मुद्दा गरीबी का फिर
उसी मंच से उठाए जाते हैं।
जंग जीत जाने पर
हरदम ही भुलाए जाते हैं।
मानते हर जश्न पर
फिर हजारों उड़ाए जाते हैं।
हम तो वो मजदूर हैं
जो हर घर की खबर रखते हैं।।
काम मिल जाए बस कोई
हरदम ही सफर करते हैं।
हम तो मशहूर हैं
हर ईंट पर असर रखते हैं।।
इश्क की बात क्या करें
अस्क लिए दर दर फिरते हैं।
हम तो मजदूर हैं
रंग मिट्टी का लिए चलते हैं।।
प्यार से बात करले
बस सरोकार यही रखते हैं
हम तो बेकसूर हैं
सजा सबकी लेते हैं।।
काम निकल जाए बस
हर काम में नजर आते हैं।
हम तो मजदूर हैं
भर पेट भी नहीं खा पाते हैं।।
दाम मिल जाए बस
दम निकाल देते हैं।
नाराज मत होना तुम
तुम्हारी भी खबर रखते हैं।।

रामकुमारी
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## जिंदगी

चलो हंसने की कोई,
हम वजह ढूंढते हैं,
जिधर न हो कोई गम,
वो जगह ढूंढते हैं,
बहुत उड़ लिये ऊँचे
आसमानों में यारों,
चलो जमीं पे ही कहीं, हम सतह ढूंढते हैं,
छूटा संग कितनों का जिंदगी की जंग में,
चलो उनके दिलों की, हम गिरह ढूंढते हैं!
बहुत वक्त गुजरा भटकते हुए अंधेरों में,
चलो अंधेरी रात की, हम सुबह ढूंढते हैं!!

ममता पाण्डेय
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## Motivational Quotes

1) "Every year, many, many stupid people graduate from college. and if they can do it, so can you."
2) "Striving for success without hard work is like trying to harvest when you haven't planted."
3) "There is no elevator to success. You have to take the stars.
4) "Education is the passport to the future for tomorrow belongs to those who prepare for it today."
5) "Accept failure as part of the process."
6) "Every expert was once a beginner."
7) "Nothing is interested if you are not interested."
8) "Opportunities don't happen. You create them."
9) "A little progress each day adds up to big results."
10) "Every person you meet knows something you don't ; learn from them."

**Bimlesh Kumar Yadav**
B.Ed. IInd Year

## प्यारी माँ के लिए

जब अकेला रहा तो
उसकी याद आयी
अंधेरे में था तो उसकी याद आयी।
जब भूख लगी तो उसकी याद आयी
नींद नहीं आयी तो उसकी याद आयी।
सोचने में कितनी आसान लगती थी ये ज़िंदगी
जब खुद से जीना सीखा तो उसकी याद आयी।
तभी भी लगा की माँ इतनी मतलबी
कैसे हो सकती है
हमसे भी ज्यादा हमारे लिए कैसे हो सकती है।
लेकिन सच तो ये है कि वो माँ ही होती है
जो हमारा पेट भरकर खुद भूखा रहती है।

''माँ के आँचल तले खुशियों की छाया है,
सिर्फ माँ का प्यार है सच्चा,
बाकी तो सब मोह माया है।''

मनीष कुमार वर्मा
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## आत्मविश्वास

ये आसमां छीन गया तो क्या?
नया ढूंढ लेंगे, हम वो परिंदे नहीं जो
उड़ना छोड़ देंगे!!
मत पूछ हौंसले हमारे
आज कितने विश्रब्ध हैं
एक नई शुरूआत, नया
आरम्भ तय है .....
माना अभी हम निःशब्द हैं।
ये परिवार छूट गया तो क्या?
नया सागर ढूंढ लेंगे,
हम वो कश्तियां नहीं जो
तैरना छोड़ देंगे!!
कदम चलते रहेंगे.....
जब तक श्वास है,
परिस्थिति से परे
स्वयं पर हमें विश्वास है,
एक रास्ता मिला नहीं तो
क्या नई राहें ढूंढ लेंगे
हम वो मुसाफिर नहीं जो चलना छोड़ देंगे!!
ख्वाबों को महकता रखते हैं,
हम मंजिलों से राब्ता रखते हैं,
नशा हमें हमारी फितरत का
हार हार करती है बुलंद ..... इरादा जीत का!
ये मुकाम नहीं हासिल तो क्या?
नये ठिकाने ढूंढ लेंगे
हम वो शख्स नहीं जो
अपनी तलाश छोड़ देंगे!

कौशिल्या
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## अपने आप पर यकीन रखो

रख हौसलों में इतना दम
की दुखों की कमर तोड़ दे
जिस पथ पे कांटे हो बिछे
उस पथ पे कलियां बिखेर दे।

हार के पीछे जीत छुपी है
तेरे कर्मों पे तेरी तकदीर टिकी है
हिम्मत न हार बस आगे बढ़
हर रात के पीछे सुबह खड़ी है।

तू याद बस अपना लक्ष्य रख
बनके अर्जुन तरकश तैयार रख
ज़िंदगी की रूकावटों को
अपने हित में लेके चल।

न मिले जीत कोई बात नहीं
अपनी हार से सीख लेके चल
ये जीवन एक परीक्षास्थल है
कोई उत्तीर्ण तो कोई विफल है।

ममता भगत
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## आइये 'पक्षियों' से कुछ सीखें

रात को कुछ नहीं खाते।
रात को घूमते नहीं।

अपने बच्चे को सही समय पर सिखाते हैं।

ठूंस-ठूंस के कभी नहीं खाते। आपने कितने भी दाने डाले हों, थोड़ा खा कर उड़ जाएंगे, साथ कुछ नहीं ले जाते।

रात होते ही सो जाएंगे, सुबह जल्दी जाग जाएंगे, गाते-चहकते उठेंगे।

अपने शरीर से खूब काम लेते हैं। रात के सिवा आराम नहीं करते। उनकी तरह परिश्रम करने से हृदय, किडनी, लिवर के रोग नहीं होते।

अपना आहार कभी नहीं बदलते।
बीमारी आई तो खाना छोड़ देंगे, तभी खाएंगे
जब वे ठीक हो जाएंगे।

अपने बच्चे को भरपूर प्यार देंगे।
प्रकृति से उतना ही लेते हैं, जितनी जरूरत है।

मनोज गुप्ता
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## खालीपन

खालीपन इतना ..... इतना
खालीपन
जो कभी कोई भर नहीं पाया
हादसे से यूँ तो उभर गई
पर एक शून्य सा हृदय में
स्थापित हो गया .....

पहले पिता मात्र डर अनुशासन बंदिश
के पर्याप्य थे,
उनके गैर हाजरी में आज जन्मदिन पर
यूँ तो आजाद हूँ,
कई लोग भी मौजूद थे,
पर एक भारी आवाज में
कठोरता से डाँटने वाले
पिता की कमी की अनुभूति होती है

आज सोचती हूँ तो
बस पिता के होने से
दिन खास बन जाता था
एक मिठाई के डब्बे में
जो खुशी पिता लाते थे,
वो जन्मदिन के मंहगे केक
पूर्ण नहीं कर पाते

कुछ ना होकर भी सब होना
ही पिता है।
और न होने से रह जाता है
खालीपन ..... इतना खालीपन .....

खुशबू रानी लकड़ा
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## छोटी सी बिटिया

बेटी के प्यार को कभी आजमाना नहीं,
वह फूल है उसे कभी रूलाना नहीं,
पिता का तो गुमान है बेटी,
जिन्दा होने की पहचान है बेटी,

उसकी आँखे कभी नम न होने देना,
उसकी जिन्दगी से कभी खुशियाँ
कम न होने देना,
उँगली पकड़कर कल
जिसको चलाया था तूने
फिर उसको ही डोली में बिठाया था तूने

बहुत छोटा सा सफर होता है बेटी के साथ
बहुत कम वक्त के लिए वह होती है हमारे पास.....!!
असीम दुलार पाने की हकदार है बेटी
समझो भगवान का आर्शीवाद है बेटी!

ऋचा सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

# मेरा महाविद्यालय

ज्ञान का भण्डार है जहां।
इससे बेहतर जगह है कहां।।
पुस्तकों की यहां कमी नहीं।
ज्ञान की जहां अल्पना नहीं।।
गुरू का साथ है यहां।
मेरा महाविद्यालय से
बेहतर महाविद्यालय है कहां।।

ज्ञान का मंदिर है ये।
मेरे लिए जन्नत है ये।।
दोस्तों का साथ जहां
जिंदगी का आनंद यहां मिला।।
यहां आकर ऐसा लगता।
जैसे देख लिया हो काला सपना।।
बच्चों के लिए कोई खेल जैसा।
अपने लिए है जिंदगी का बड़ा कोना।।

शिक्षकों की डांट मिलती।
जिंदगी हमेशा कुछ नया सिखाती।।
रोज का वो लड़ाई झगड़ा।
फिर से एक हो जाना।।
कोई स्कूल जाने से डरता।
तो किसी की इच्छा नहीं होती।।
हर रोज कुछ नया सिखाता।
ऐसा है मेरा महाविद्यालय।।

शिक्षकों की यहां है भरमार।
हर रोज कुछ अलग बताते।।
नहीं सुनने पर इनकी।
पड़ती थी वो प्यारी मार।।
एक के बाद एक शिक्षकों का आना।
कुछ अलग विषयों का बताना।।
कोई शिक्षक लगता प्यारा।
तो कोई प्यार करता बच्चों को खूब सारा।
हर किसी की जिंदगी यहां संवरती।
हर किसी को सही रास्ता ये बतलाता।।
एक बार आने के बाद जिसे कोई भूल नहीं सकता।
ऐसा है मेरा प्यारा महाविद्यालय।।
शिक्षक हमें पढ़ाना समझाते।
फिर हम आपस में खुब ज्ञान बांटते।।
भाषा का ज्ञान हमें दिया जाता।
फिर कभी हम भी शिक्षक बन जाते।।
अपना पर्यावरण है कितना प्यारा।
यह हमें शिक्षक बताते।।
फिर हम सब मिलकर।
कभी चित्रकारी भी करते।।
अनुशासन है यहां तगड़ा।
कभी उलंघन न कोई करता।।
मंदिर स्वस्थ यह कहलाया।
आखिर इसने हर किसी की जिंदगी को जो सवारा।।
ज्ञान का भण्डार है जहां।
इससे बेहतर जगह है कहां।।
गुरू का साथ है जहां।
मेरा महाविद्यालय से बेहतर महाविद्यालय है कहां।।

ज्योतिष राजवाड़े
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मेरे विचार

खड़ी कर रही हूँ अपनी किस्मत,
मेहनत के दम पर
अब यह कोई मजबूरी नहीं
भरोसा कर लिया है
खुद पर,
सच कहूँ तो अब
मंजिल कोई दूर नहीं।।

रीना मानिक
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## सबकी अपनी दुनिया है

जीवन पथ ये बहुत विरल है
इसको जीना नहीं सरल है
प्रति क्षण बाधा आती है
प्रति पल भर भर जाती है
सब तेरा-मेरा करते हैं
एक दूजे को ताने कसते हैं
मैं आगे हूं, तू पीछे है
मैं चोटी पर, तू नीचे है
सबके अपने पैमाने हैं
फिर भी अंतर वीराने हैं
सबकी अपनी दुनियां है
सबके अपने अफसाने हैं

मुनेश्वरी
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## क्या है प्रतिनिधित्व?

सामान्य स्थिति में कोई भी काम कर सकता है। लीडर वही होता है जो हर प्रकार के परिस्थियों में काम को अंजाम देने जानता है। वह परिस्थितियों में हार नहीं मानता, पर इस बात में निपुण होता है कि किस परिस्थिति का सामना किस प्रकार करें? जब तेज हवा का तूफान आता है तो वृक्ष गिर जाता है। अर्थात् हार मान लेते हैं।

मुश्किलें कभी भी बाधा उत्पन्न नहीं करती। वे सिर्फ हमारी चेतना को जगाने के लिए आती है। हर इंसान के भीतर विशाल ऊर्जा का केन्द्र स्थापित है। कोई मुश्किल, कोई चुनौती ही उस शक्ति को जागृति कर सकती है। उसके बिना उसके जागरण का कोई उपाय नहीं है। इसलिए जब भी कोई मुश्किल आए अपनी ऊर्जा को अधिक से अधिक फेलने दो। क्योंकि यही अपने आपको शक्तिशाली बनाने का एक मात्र उपाय है।

**"जीतने वाले कोई अलग काम नहीं करते, वे हर काम को अलग ढंग से करते हैं।"**

प्रिया रानी पटेल
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मेरा प्यारा सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय

- मेरा प्यारा सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय, जिसमें खिलते सुंदर-सुंदर फूल।
- पूछो न इसकी शान सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की है जान।
- छोटे-बड़े सभी यहाँ आते ज्ञान दीप है लेकर जाते।
- यहाँ के शिक्षक-शिक्षिका है बड़े सख्त जैसे होते काठ के तख्त।
- पर बच्चों से करते हैं, प्यार, पूछो न दोस्तों इसकी शान, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की है जान।
- शिक्षक-शिक्षिका का केवल एक ही सपना हर छात्र/छात्रा को सफल बनाना।
- सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की छवि निराली चारो तरफ है हरियाली।
- सबके चेहरे पर खुशहाली ईश्वर करता सबकी रखवाली।

**''कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है। और कुछ बनने के लिए कुछ करना पड़ता है।''**

प्रिया रानी पटेल
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## ''मेरे सपने''

- थोड़े से साधारण, थोड़े से अनोखे है मेरे सपने, छोटे तो नहीं, लेकिन खुबसूरत है मेरे सपने।
- जीने की वजह और अंत की जगह है मेरे सपने, किसी की कैद से दूर आजाद परिंदे है मेरे सपने।।
- काबिलियत है मुझमें इसलिए असाधारण है मेरे सपने, कुछ कर बदलने की और कुछ जोड़ने की इच्छाओं से भरे है मेरे सपने।।
- किसी के लिए अजीब-गरीब होंगे तो, किसी के लिए नामुमकिन होंगे, किसी का हिम्मत तोड़ेंगे तो किसी का सहारा बनेंगे, ऐसे हैं मेरे सपने।
- माना लक्ष्य बड़ा है मेरा, थोड़ा सा कठिन है, मेरी क्षमता को तौल कर मेरे करीब आने, यही है मेरे सपने।
- कोई मेरे जान से तौलता है इन्हें, तो कोई मेरे जूनून से, लेकिन मेरे जज्बे और हुनर से जुड़े मेरे सपने।।
- मुझे रोक दे ऐसा कोई तुफान नहीं, हो मैं कई बार गिरूंगा, लेकिन फिर उठ कर लड़ूंगा और जीतूंगा, हार के जीतने वालों को हराना आसान नहीं होता।
- मेरे सपने को साकार कर हकीकत में बदलने के हैं, मेरे सपने।
- ऐसे ही है ''मेरे'' सपने।।

विशाल कश्यप
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## "Teacher"

This Colour Bookmark is
mode
Just for you,
To be a reminder of
the things you do.

Green is for the inspiration
you give each day
purple is for your patience
In showing the way.

Blue is for your warmth
and your caring style
yellow is for the way
that you always smile.

Red is for the lives
that you will touch this year
you are very special teacher
that much is clear.

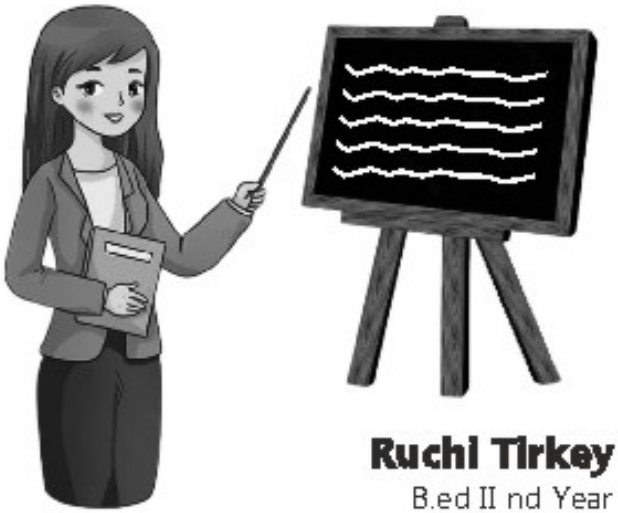

**Ruchi Tirkey**
B.ed II nd Year

## ''कोशिश कर''

कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नहीं तो, कल निकलेगा।

अर्जुन सा लक्ष्य रख, निशाना लगा,
मरूस्थल में भी फिर, जल
निकलेगा।

मेहनत कर, पौधों को पानी दे,
बंजर में भी फिर, फल निकलेगा।

ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी, बल निकलेगा।

सीने में उम्मीदों को, जिंदा रख,
समन्दर से भी, गंगा जल निकलेगा।

कोशिशें जारी रख, कुछ कर गुजरने की,
जो कुछ थमा-थमा है, चल निकलेगा।

कोशिश कर, हल निकलेगा,
आज नहीं तो, कल निकलेगा।

आभा रानी भगत
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## छत्तीसगढ सुविचार

- पर उपर बिसवास ले जादा मनखे ला अपन उपर बिसवास होना चाही।
- मन के हारे हार हे, मनके जीते जीत।
- सब मनखे मा कोनो ना कोनो हुनर जरूर होथे केर ककरो लुका जथे, ककरो दिख जथे।
- इनसान उही हरय जेन अपन तकदीर सुयम बदल डारे।
- पुन (पुण्य) हा छप्पर फार के देथे ता, पाप हा थपरा मार के लेथे घलो।
- इंतिजार झन कर, बने समे कभु नइ आवय।
- जीते के सबले जादा मजा तभे आथे, जब जम्मो झन तोर हारे के बात जोहथे।
- पइसा इनसान ला उपर तो लग सकथे फेर मनखे पइसा ला उपर नइ लेग सके।
- एकता मा ताकत होथे, एकरे सेती मिलजुर के रहिना चाही।
- नानपन के एक परस्न - बड़े बाडू के का बनबे? येकर जुआप आज बड़े होय के बाद मा मिलिस के फेर नान्हे होना हे।

चंदा सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## अभिमान

थोड़ा गुरूर भी जरूरी है जीने के लिए
ज्यादा झुक के मिलो तो
दुनिया पीठ का पायदान
बना देती है।

गिरना भी अच्छा है,
औकात पता चलती है
बुरे समय में साथ चलने वाले कितने हैं,
यह बात पता चलती है।
हौसला मत हार, गिर कर आए मुसाफिर
अगर यहां दर्द मिलता है तो दवा भी जरूर मिलेगी
किसी ने मुझे पूछा कि, पूरी जिन्दगी क्या किया?
मैने हार कर जवाब दिया, किसी के साथ
धोखा नहीं किया।

जिन्दगी का यह उसूल बना लो
जिन्होंने आपको छोड़ दिया, उन्हें आप भुला दो।

उम्र को अगर हराना है तो शौक जिंदा रखिए
घुटने चले या ना चले
लेकिन मन एक उड़ता परिंदा रखिए।

किसी को गीता में ज्ञान मिला
किसी को कुरान में ईमान न मिला
उस बंदे को आसमान में क्या रब मिला
जिसे इंसान में इंसान न मिला।

पिंकी सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मेरे सपने

पंछी की तरह उड़ जाऊं मैं लोगों से कुछ अलग कर दिखाऊँ मैं, आसान जिन्दगी तो सब जीते हैं, कांटो की राह पर चल कर फूल बनकर खिल जाऊं मैं।

खुद को कुछ ऐसा बनाऊँ मैं
कि बड़ी भीड़ में सबसे
आगे निकल जाऊँ मैं,
दुनिया के किसी भी कोने में जाऊँ,
अपनी सूरत से नहीं हुनर से पहचानी जाऊँ मैं

सबको अपना एक रंग दिखाऊँ मैं,
कि दुनियां की अंगों में बस जाऊँ मैं,

हर परीक्षा को पार कर लूं,
एक दिन आसमान को छू जाऊँ मैं

बिन्दु बघेल
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## Nature : A Great Teacher

Nature is the greatest teacher of the world!!

"Observe the nature carefully with its big and small creatures that it teacher's us a the great lessons of life."

Now day due to rat race in day to day living. human beings are aligned from nature real seamlessness true renunciation and sacrifice etc. we can thus learn a great deal from nature.

Nature is a silent teaches friend, philosopher and guide it removes all our pain agonies despair and grieves if we become merged with it we find our selves in a elevated state of consciousness.

The Nature shows all her wealth irrespective of who we are and what we are it never distinguishes between good or bad, rather removes all the negativities it fills us with all positive.

**Pallavi sarkar**
B.Ed. IInd Year

## ज्ञान पर निबंध

- ज्ञान व्यक्ति और तथ्य या सूचना के बीच की कड़ी होती है।
- बिना बुद्धि के ज्ञान का आत्मसातीकरण सम्भव नहीं।
- दुनिया में क्या हो रहा है, इसके बारे में अपने ज्ञान को विकसित करने में मदद करता है।
- चर्चा और परिकल्पना छात्रों के वैचारिक ज्ञान को विकसित करने में भी सहायक है।
- ज्ञान में हमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्र में प्रगति करने में सक्षम बनाया है जिसे हम प्राप्त करने में समर्थ हैं।
- इसने हमें इतना पृथ्वी पर कहीं अधिक सक्षम, श्रेष्ठ और परिष्कृत प्राणी बनाया है।
- हमारे व्यक्तित्व को आकार देने और लोगों के साथ हमारे व्यवहार और व्यवहार को सही करने के लिए ज्ञान भी बहुत महत्वपूर्ण है।
- यह हमें खतरों से बचाने में मदद करता है।
- ज्ञान हमें कठिनाइयों और प्रतिकूलताओं के दौरान संतुलित और मजबूत बनाता है।
- मनुष्य के पास परिस्थितियों से न्याय करने की क्षमता है।

राजेश कुमार सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## Maths A Challenge

Try, Try and Try
the more I Try
the more I Try

I practice maths with my heart and soul,
yet I am not able to achieve my goal.

I never get marks in maths,
inspire of my great endeavors
Fate is never in my favour.

I really want to improve my maths
because I love this subject,
and for this I am trying my level best.

I am can did so I confess,
In Mathematics subject I always create a mess, all the answers I guess, and ultimately the marks I get are quite less.

I believe that if I do ample practice, I'll one day probably achieve my goal, and I seriously have to improve because in our lives MATHS plays.

**Shubham Kumar Bose**
B.Ed. IInd Year

## कहानी : जीवन के लिए आधार

एक अतिश्रेष्ठ व्यक्ति थे, एक दिन उनके पास एक निर्धन आदमी आया और बोला की मुझे अपना खेत कुछ साल के लिये उधार दे दीजिये मैं उसमें खेती करूंगा और खेती करके कमाई करूंगा और समय बर्बाद किये बिना अच्छे से खेती करूंगा। वह अतिश्रेष्ठ व्यक्ति बहुत दयालु थे उन्होंने उस निर्धन व्यक्ति को अपना खेत दे दिया और साथ में पांच किसान भी सहायता के रूप में खेती करने को दिये और कहा की इन पांच किसानों को साथ में लेकर खेती करो, खेती करने में आसानी होगी। इस से तुम और अच्छी फसल की खेती करके कमाई कर पाओगे।

वो निर्धन आदमी में देख के बहुत खुश हुआ की उसको उधार में खेत भी मिल गया और साथ में पांच सहायक किसान भी मिल गये लेकिन वो आदमी अपनी इस खुशी में बहुत खो गया और वह पांच किसान अपनी मर्जी से खेती करने लगे और वह निर्धन आदमी अपनी खुशी में डूबा रहा। उसने ये भी नहीं सोचा जिसने उसके बिना परीक्षा लिए उसकी मदद की उसे कैसा लगेगा।

और जब फसल काटने का समय आया तो देखा की फसल बहुत ही खराब हुई थी, उन पांच किसानों ने खेत का उपयोग अच्छे से नहीं किया था न ही अच्छे बीच डाले, जिससे फसल अच्छी हो सके।

जब वह अतिश्रेष्ठ दयालु व्यक्ति ने अपना खेत वापस मांगा तो वह निर्धन व्यक्ति रोता हुआ बोला की मैं बर्बाद हो गया, मैं अपनी खुशी में डूबा रहा और इन पांच किसानों को नियंत्रण में न रख सका न ही इनसे अच्छी खेती करवा सका।

अब यहाँ ध्यान दीजियेगा :- ये हम सभी के जीवन की कहानी है।

वह अतिश्रेष्ठ दयालु व्यक्ति है - ''भगवान है''

निर्धन व्यक्ति है ''हम लोग हैं''

खेत है - ''हमारा शरीर''

पांच किसान है हमारी इन्द्रियां - आंख, कान, जीभ, मन, त्वचा।।

प्रभु ने हमें यह शरीर रूपी खेत अच्छी फसल (कर्म) करने को दिया है और हमें इन पांच किसानों को अर्थात् इन्द्रियों को अपने नियंत्रण में रख कर कर्म करने चाहिये, जिससे जब वो दयालु प्रभु जब ये शरीर वापस मांग कर हिसाब करें तो हमें रोना न पड़े।

जीवन में कभी-कभी पछतावा करने का मौका भी नहीं देती जिन्दगी इस लिए कर्म हमारे अच्छे हो जो खुद को सुकुन औरों को सीख दे जाते हैं।

कु. मिलासो तिग्गा
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## कहानी : छिपा हुआ खजाना

एक गाँव में एक बूढ़ा किसान रहता था। उसका एक पुत्र था जिसका नाम रामू था वह बहुत ही आलसी था वह अपने पिता के किसी भी कार्य में हाथ नहीं बटाता था। बूढ़ा किसान बीमार रहता था। बूढ़े किसान को यह चिंता होने लगी कि उसकी मृत्यु के बाद उसके पुत्र का क्या होगा? एक रात बूढ़े किसान ने अपने पुत्र को अपने पास बुलाया और उसको बताया कि मैंने हमारे खेत में खजाना छिपा के रखा है। पुत्र यह बात सुनते ही अत्यंत प्रसन्न हो गया। अगली सुबह रामू फावड़ा लेकर उसी खेत पर खजाने की खुदाई करने के लिए चला जाता है। खुदाई करते-करते पूरा खेत खोद लेता है। तत्पश्चात् उसके पिता उसको कहते हैं कि इसमें धान की बुआई करो। यह करने के बाद भी रामू को खजाना नहीं मिलता है उसके पिता पुनः उसको कहते हैं कि इसमें पानी डालो। कुछ दिनों बाद फसल तैयार हो जाता है तथा फसल पकने लगता है, धान की बालियाँ सुनहरे रंग की अत्यंत मनमोहक दिखायी दे रही थी। फसल तैयार हो गयी थी अभी तक रामू को खजाने की प्राप्ति नहीं हुई थी तब वह अपने पिता के पास गया और कहने लगा पिताजी मुझे खजाना नहीं मिला प्रतिउत्तर में रामू के पिता कहते हैं कि पुत्र धान की बालियाँ देख रहे हो यही तो खजाना है।

''परिश्रम ही खजाना है'' रामू कहता है जी पिताजी! मुझे अहसास हो गया है कि परिश्रम ही खजाना है। मैं भी परिश्रम करूंगा तथा फसल उगाऊँगा और जीविकोपार्जन करूंगा।

काजल सोनवानी
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## आखिर तुम होते कौन हो?

देखो तुम मना नहीं करते, इसका मतलब ये नहीं कि तुम मान जाते हो, जब साड़ी के बदले सूट पहनने देते हो और ये बोलते हो कि हम तो बड़े दिलवाले हैं, घूंघट नहीं निकालोगी तो चलेगा, बस मांग भर लेना, हाथ में एक-एक चूड़ियाँ पहन लेना, उससे तुम्हारा क्या बिगड़ जाएगा?

बड़ों की चार बात मान लोगी तो क्या पहाड़ टूट जाएगा? और तुम अपना प्यार कुछ ऐसे जताते हो कि मुझे मेरे ही अधिकारों का दायरा समझाते हो। तुम मुझे बाहर जाने देते हो, नौकरी करने देते हो, डिनर टेबल पर बोलने का हक भी देते हो, मुझे मेरा नाम बनाने देते हो, कभी-कभी देर से भी उठने देते हो, और बस देते ही जाते हो..... और क्योंकि साथ जिंदगी भर का है, तो मैं भी एडजस्ट हो जाती हूँ, और एडजस्ट होती ही चली जाती हूँ, और वहीं पर हम सब हार जाते हैं, क्योंकि कौन पूछे तुसमे कि देने वाले **आखिर तुम होते कौन हो?**

## सुनहरा मौका

कुछ चीजें हैं जो तुमसे कहनी है, क्या पता जिंदगी के किस मोड़ पर काम आजाएं, हर दिन कोई नया किस्सा लेकर आएगा, तुम्हे एक नई बात कह कर जाएगा, तुम लड़की हो इतनी जोर से मत हंसो, बाहर जा रही हो थोड़ा तो मेकअप करो, रोज इतनी फोटो मत पोस्ट करो, इतने लड़कों की दोस्त मत बनो, जब तुम सपने देखोगी तो बहुत से सवाल उठेंगे, कोई तुम्हारे लिए गाड़ी का दरवाजा खोलेगा, तो कोई अपने दिल का दरवाजा बंद भी करेगा पर सुनो कोई चाहे तुम्हे कुछ भी कहे, तुम अपनी सुनना, कभी लगे दुनिया के लगाए गए इल्जाम और पाबंदियां सही है, फिर भी तुम अपने सपनों को चुनना, तुम अबला नहीं, नारी नहीं, अप्सरा हो!

नेहा सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## गणित पर कविता

दो में दो जोड़ो हो जाएगा चार,
जीवन में तुम जरूर करना प्यार,
चार में चार जोड़ो हो जाएगा आठ,
असफलता ही पढ़ाता है
जीवन का पाठ,
आठ में जोड़ो दो हो जाएगा दस,
समय पर नहीं चलता किसी का बस,
दस में जोड़ो दस हो जाएगा बीस,
पढ़ लो, डॉक्टर बनकर पाओगे ज्यादा फीस,
बीस में जोड़ो तीस हो जाएगा पचास,
यहीं पर यह कविता हो जाएगा खल्लास!

सुखपाल पटेल
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## बचपन पर कविता

ओ बचपन की कथा, मासूम भरी मस्ती जब खुशियां होती हैं, अपनों का प्यार यूं सा वो संसार, सपनों की बहती थी जहाँ करती अपनी सुगंध से अन, कस्तुरो हिरण सी ओ हस्ती, ओ बचपन की स्थिति, मासूम भरी मस्ती।

आँखों में चमक, अंदाज में धमक खिलखिलाहट से गुंज उठती थी खनक, बातों में होती थी चहक, अपनेपन की खास महक ओ बचपन की शुरूआत, मासूम भरी मस्ती।।

प्रश्नों के ढेर, खेलने के फेर, किसी से नहीं होता था कोई बैर, शिकवे - शिकायतों की आती ना थी भाषा ना था अपने पराये को भेद सा, ओ बचपन की स्थिति मासूम भरी मस्ती।।

पंकेश्वर साय
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मँहगाई बड़ी रूलाए

जिस को देखे वही परेशान है, कमा रहा खूब हर इंसान है मगर पल्ले कुछ बचता ही नहीं है क्योंकि मँहगाई से त्रस्त हिंदुस्तान है।

कल को देखो पेट्रोल के भाव उड़े, कुछ लोग आज भी सड़कों पर उतरे, बात-बात पर **GST** घटती फिर भी बोलो क्या है सस्ती?

कृषक आत्महत्या के वेदी में कूद रहा इस कारण **GDP** भी डूब रहा आज भी दीन पेट बांध कर सोता है, देखो कल को क्या होता है?

अमीरों की राम कहानी भी कुछ ऐसी है, बच्चे को स्कूल में दाखिल करवाने पर जेबों पर चलती कैंची है।

खुश बस बेचारा गरीब भिखारी है शायद कल तक **GST** के अन्तर्गत उसको भी लाने की तैयारी है।

बात युवकों की सुन लो, इस देश की बेरोजगारों की जिनकी जिम्मेदारी रखी है सरकार ने रोजगारी की माथे पर हाथ धरा बैठा है बेचारा! लोगों की धुड़कियाँ रोज सुनता है

**"निकम्मा आवारा!!"**

अब अपनी व्यथा सुनाता हूँ महोदय मैं कविताएँ लिखता था तन्मय पर कल की ही बात है स्थायी खत्म हुई मैं जो बाजार गया पता चला **Stationary** पर **GST** नर्म हुई।

## नारीनामा

मानते हो देवी और कहते हो माँ जिन्हें, रखते हो सीमित उन्हें चौखट तक! सम्मान बस नाम का ही रखा है उन्हें, चलेगा ये सिलसिला आखिर कब तक?

माहवारी में ना जलाएंगे वे चूल्हा, सिमट कर रह जाएंगे कोने तक। ना प्रसाद चलेगा ना देवों को छूना चलेगी ये छुआछूत आखिर कब तक?

हर पहर रहना पड़ता है सावधान उन्हें, हर कोई देखता है गर्दन से कमर तक! सिर्फ उपभोग की वस्तु नहीं है नारी, समझेगा ये उपदेश, ऐ इंसान तू कब तक?

मैं सोचता हूँ उठता कैसे वो हाथ होगा, क्या पहोंच सकी तेरी सिर्फ घर तक? जो खुद ही जड़ें काट रहा हो अपनी, खड़ा रहेगा वो पेड़ आखिर कब तक?

शशी साहू
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## माँ पर कविता

घुटनों से रेंगते - रेंगते,
कब पैरों पर खड़ा हुआ,
तेरी ममता की छांव में,
जाने कब बड़ा हुआ,
काला टीका दूध मलाई
आज भी सून कुछ वैसा है,
मैं ही मैं हूँ हर जगह
माँ प्यार से तेरा कैसा है?
सीधा-साधा, भोला-भाला,
मैं ही सबसे अच्छा हूँ,
कितना भी हो जाऊं बड़ा,
''माँ'' मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ .....

टिकेश्वरी
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## शिक्षक एक मंदिर निर्माता

एक गुरू ने प्रेम और असीम प्रेम से बनवाई एक मंदिर और सब्र के साथ एक ऐसी बड़ी योजना भी बनाई अज्ञानता की पत्थर तोड़-तोड़ कर मन में ज्ञान योग्य है खिड़कियाँ बनाई खुल गए दरवाजे निष्पक्षता से ईमानदारी की रोशनियाँ जगमगाई मंदिर की रचना की कभी कोई प्रशंसा गुरू ने नहीं पाई, आई घड़ी एक ऐसी भी जब शिष्य ने कुछ कर के दिखायी तब समझे इस रचना मंदिर की जब विद्या बच्चे के अमर आत्मा में छाई फिर हुई खुशी ये जानकर, कि हाँ! एक गुरू ने है मंदिर बनवाई।

अंजली एक्का
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## नारी शक्ति
## कविता : मेरा तो कहना है तुझसे

मेरा तो कहना है तुझसे .....
बन जा अब तेजस्वी तू, दिखला दे तुझमें जो शान है। अब इतिहास तू रचेगी, तुझमें भी वो जान है।।
बना गये इतिहास बछेन्द्री, कल्पना, दुर्गा, लक्ष्मी ये तो वही मैदान है।
तेरे लिए ही तो स्वामी अम्बेडकर, मोहन कई महापुरूषों ने कितने दिये कुर्बान हैं।
अब मौका मिला है जब तो क्यों नहीं बनाती पहचान है?
मेरा तो कहना है तुझसे.....

बन जा अब तेजस्वी तू, दिखला दे तुझमें जो शान है।
अब इतिहास तू रचेगी, तुझमें भी वो जान है।।
तू कोशिश तो कर, क्यों डर रही है।
अपने हौसलों को बुलन्द तो कर, क्यों रो रही है।
जो तू चाहती है वही पायेगी, अपने मेहनत पर यकीन तो कर, तू एक बार शुरू तो कर। जो कर्म किया, मिला उसी को सर्वसम्मान है।

मेरा तो कहना है तुझसे .....
बन जा अब तेजस्वी तू, दिखला दे तुझमें जो शान है। अब इतिहास तू रचेगी, तुझमें भी वो जान है।।

लीलावती
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## कहानी : टीचर और स्टूडेंट

यह कहानी शुरू होती है एक स्कूल से बाहर बारिश हो रही थी, और अन्दर क्लास चल रही थी, तभी टीचर ने क्लास के सभी बच्चों से एक सवाल पूछा, ''अगर तुम सबको 100-100 रूपये का नोट दिया जाए, तो तुम सब क्या खरीदागे?'' किसी ने कहा मैं वीडियो गेम खरीदूंगा, किसी ने कहा मैं क्रिकेट का बैट खरीदूंगा, किसी ने कहा मैं अपने लिए प्यारी सी गुड़िया खरीदूंगा, तो किसी ने कहा मैं बहुत से चॉकलेट्स खरीदूंगा। एक बच्चा कुछ सोचने में डूबा हुआ था, तभी टीचर ने उस बच्चे से पूछा, ''तुम क्या सोच रहे हो? तुम क्या खरीदोगे? बच्चा बोला ''टीचर जी मेरी माँ को थोड़ा कम दिखाई देता है, तो मैं अपनी माँ के लिए एक चश्मा खरीदूंगा। टीचर ने कहा तुम्हारे माँ के लिए चश्मा तो तुम्हारे पापा खरीद सकते हैं। तुम्हे अपने लिए कुछ नहीं खरीदना?'' बच्चे ने जो जवाब दिया उससे टीचर का भी गला भर आया। बच्चे ने कहा, ''सर मेरे पापा अब इस दुनिया में नहीं रहे। मेरी माँ लोगों के कपड़े सिलकर मुझे पढ़ाती है, और उन्हें कम दिखाई देने की वजह से वह कपड़े सील नहीं पाती है, इसलिए सर मैं मेरी माँ को एक चश्मा खरीदकर देना चाहता हूँ। ताकि मैं अच्छे से पढ़ सकूँ, बड़ा आदमी बन सकूँ और माँ को सारी सुख-सुविधा दे सकूँ। बच्चे की बात सुनकर टीचर बोला, ''बेटा, तेरी सोच तेरी कमाई है। यह 100 रूपये रखो और तुम्हारे माँ के लिए एक चश्मा खरीदो, और यह 100 रूपये और उधार दे रहा हूँ, जब कभी कमाओ तो मुझे लौटा देना। और मेरी इच्छा है कि तू इतना बड़ा आदमी बने की तेरे सिर पर हाथ रखते वक्त मैं धन्य हो जाऊँ। बीस साल के बाद उसी स्कूल के बाहर बहुत बारिश हो रही थी, और अन्दर क्लास चल रही थी, अचानक स्कूल के बाहर जिला कलेक्टर की गाड़ी आकर रूकती है। स्कूल स्टाफ चौकन्ना सा रह जाता है। स्कूल में सन्नाटा सा छा जाता है। कुछ समय बाद वह जिला कलेक्टर एक वृद्ध टीचर के पैरों में गिर पड़ते हैं, और कहता है, ''सर मैं उधार के 100 रूपये लौटाने आया हूँ। पूरा स्कूल स्टाफ दंग रह जाता है। फिर वृद्ध टीचर झुके हुए नौजवान जिला कलेक्टर को उठाकर गले मिलते हैं, और रो पड़ते हैं।

स्वाति सोनहत
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## वार्षिक गीत

भारत जागो विश्व जगाओ , अपना दिव्य रूप प्रकटाओ। यही हैं जीवन सार, करे हम शक्ति का संचार ।। पूज्य विवेकानंद पधारे, धन्य धरा हर्षाई। अन्धकार से भरी निशा मे, नई चेतना आई। विश्व पटल पर देखी सबने, ओजस्वी हुँकार।।1।।

करें हम शक्ति .....

ऋषि मुनियों के अमर पुत्र हम, भूले अपना ज्ञान। पश्चिम के व्यामोह में उलझें, कर मिथ्या गुणगान। प्रखर तेज हिन्दुत्व सुधा की, पुनः बहाई धार ।।2।।

करें हम शक्ति .....

दरिद्र भी नारायण अपना, सबको गले लगाओ। दोष मुक्त हो समाज सारा, मिल-जुल कदम बढ़ाओ। गौरव मय वैभव से पूरित, स्वप्न करें साकार।।3।।

करें हम शक्ति .....

जगती हैं परिवार हमारा, धरती सबकी माता। वायु, जल, आकाश, अगन से, सबका गहरा नाता। सृष्टि के सब सूत्र सवाँरे, जन-जन का उद्धार।।4।।

करें हम शक्ति .....

शिवांगी सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## छत्तीसगढी कविता बदलती हुई जिंदगी पर
## हाय रे मोबाइल

हाय रे मोबाइल तोर भारी हे गुन,
सबो कोई गावत हे तोरेच धुन।
मोबाइल रखना इजी हे,
जेला देख तैहर बिजी हे।
भले नेटवर्क हर टू-जी हे।
तभो दिन-रात बिजी हे,
कवरेज ले बाहर हे,
तभो मारत पावर हे,
मोबाइल न बैलेंस जीरो हे,
तभो सब बनता हीरों।
टू-जी अब नंदावत हे,
थ्री-जी म जम्मो फालावत हे।
लईका, सियान नोनी बाबू वांगड़ू,
सबे लगे मोबाइल के पाछु।
एस एम एस के जमाना हे,
लिख-लिख के गोठियाना हे,
मोबाइल के गोठियाना हे,
धरे रथे सब कनिहा।
झुठ बोले के मशीन हे,
भले झन करा यकीन हें।
ट्वीटर अउ फेशबुक म का खाजाना हे
वॉटसाप म समय गवाना हे।
अब आऊ काए ल बताव,
एकर कतका महिमा ल सुनाव।।

## छत्तीसगढी कविता
## नरवा गरवा घुरवा बारी

नरवा गरवा घुरवा बारी, एला बचाना हे संगवारी।
नरवा म कचरा के ढेर लगे हे, माढ़त पानी म कीरा परे हे।
आनी बानी के बढाय बीमेरी एला बचाना हे संगवारी।।
दही मही दूध देवय गोबर, गरवा हे सिरतोन माता बरोबर।
खेती किसानी के हावय अधारी, एला बचाना हे संगवारी।।
घुरवा किसानी के जुन्ना निसानी, अमरित कुण्ड बोय्य हरियाली।
इही जहर ले मुक्ति कराही, एला बचाना हे संगवारी।।
बारी म डारव गोबरखता जैविक खाद बनावव सस्ता।
बारी ले जाही बेरोजगारी, एला बचाना हे संगवारी।।
छत्तीसगढ. के चार चिन्हारी, नरवा गरवा घुरवा बारी।।
एल बचाना हे संगवारी।
एल बचाना हे संगवारी।।

आकांक्षा राठिया
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## कन्यादान

कन्यादान हुआ जब पूरा, आया समय विदाई का। हँसी खुशी सब काम हुआ था, सारी रस्म अदाई का बेटी के उस कतार स्वर ने, बाबुल को झकझोर दिया। पूछ रही थी पापा तुमसे, क्या सचमुच में छोड़ दिया।। अपने आँगन की फुलवारी, मुझको सदा कहा तुमने। मेरे रोने का पल भर भी, बिल्कुल नहीं सहा तुमने। क्या इस आँगन के कोने में, मेरा कुछ स्थान नहीं। अब मेरे रोने का पापा, तुमको बिल्कुल ध्यान नहीं।। देखो अंतिम बार देहरी, लोग मुझे पुजवाते हैं। आकर पापा क्यों इनको, आप नहीं धमकाते हैं।। नहीं रोकते चाचा, ताऊ, भैया से भी आस नहीं। ऐसी भी क्या निवदुरता है, कोई आता पास नहीं।। बेटी की बातों को सुनके, पिता नहीं रह सका खड़ा। उमड़ पड़े आँखों से आँसु, बदहवास सा दौड़ पड़ा।।

कतार बछिया सी वह बेटी, लिपट पिता से रोती थी। जैसे यादों के अक्षर वह , अश्रु बिदु से धोती थी।। माँ को लगा गोद से कोई, मानों सब कुछ छीन चला। फूल सभी घर की, फुलवारी से कोई ज्यों बीन चला।।

छोटा भाई भी कोने में, बैठा-बैठा सुबक रहा। उसको कौन करेगा चुप, अब वह कोने में दुबक रहा।। बेटी के जाने पर घर ने, जाने क्या-क्या खोया है। कभी न रोने वाला बाप, फुट-फुट कर रोया है।।

चुनरी वैष्णव
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मेरे प्यारे पापा

बच्चों के माथे की शान है पिता ,
मंदिर की घंटी मस्जिद की अजान है पिता
निकटता से संबल दूरी में प्रतीक्षा , परिवार के चेहरे की मुस्कान है पिता। भावनाओं को बांधता, सख्ती की डोरी से मर्यादा की शक्ति का आदर्श पाठ है पिता।

बाहर से हो भले ही ऊष्णता का प्रदर्शन
भीतर से तो शीतल मोंहताब है पिता।

उपनिषदों का अनुशासन कर्म की गीता,
त्याग और समर्पण की खान है पिता।
नहीं दिखाई देती उसकी घिसी चप्पलें
पसीने की बूंदों से तो महान है पिता

माना माँ को ममता पुजी जाती जग में
धरती अगर है माँ तो आसमान है पिता।
जग में अगर माँ है पर्याय ईश्वर का
दुनियाँ में दुसरा भगवान है पिता।।

पिता शब्द है अपने बच्चों की छाया
इस छाया का हम सबने सौभाग्य है पाया
दुनिया की मुश्किलों से लडना सिखाया
सादगी का पाठ हमें हर कदम पर चढाया।

## माँ की ममता

घुटने से रेंगते-रेंगते, कब पैरों पर खडा हुआ।।
तेरी ममता की छाँव में, जाने कब बडा हुआ।।
काला टीका, दूध मलाई, आज भी सब कुछ वैसा है।
मैं ही मैं हूँ हर जगह प्यार ये तेरा कैसा है।
सीधा-साधा भोला-भाला मैं ही सबसे अच्छा हूँ।। कितना भी हो जाऊँ बडा माँ मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ, एक हस्ती है जो जान है मेरी जो जान से भी बढ़कर शान है मेरी। रब हुक्म दे तो कर हूँ सजदा उसे क्यूँ की वो कोई और नहीं माँ है मेरी।।

सुप्रिया पैकरा
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## दर्द शहीद की पत्नी का

सुनो ना,
तुम्हारी शहादत को पूरी दुनिया जानती है।
लेकिन इस शहादत का नर्म सिर्फ मैं जानती हूँ।
पुरी दुनिया मुझे शहीद की विधवा कहती है। रंग छिन गए मेरे जीवन से उसका मर्म सिर्फ मैं जानती हूँ। तुम तो देश की रक्षा में शहीद होकर अमर हो गए।
लेकिन अब पल पल हर पल मैं शहीद होती हूँ। सुनो ना, कभी बच्चो के पापा, कभी माँ बाबुजी का बेटा, कभी ननंद के लिए भाई बन राखी बधंवाना पड़ता है। मन ना हो तो भी रोते आखों से भी मुस्कुराना पड़ता है। करवा चौथ पर अब भी व्रत रखती हुँ। फर्क इतना है कि चाँद नही अब तुम्हारी वर्दी को ही छलनी से देखती हुँ।
सुनो ना
तुम्हारे पसंद की हर काँच की चुड़ियाँ टूटकर बिखर गयी है। लेकिन अब मैं पहले से मजबूत हो गयी हूँ। अब रोती नही हुँ हर बात में, क्योकि हम आज भी बधें एक डोर से तन से ना सही पर मन से तो हर रोज ही मिलते हैं।
सुनो ना
आधी रात हो गयी है चलो सोते है। कधां आज भी तुम्हारे अब सिर रखने को मिलता है। यकीन मानो पहले इतना आज भी सुकून मिलता है क्या हुआ जो तुम साथ नही । तुम्हारी वर्दी ही सही इसमे तुम आज भी बसते हो लगा के गले तुम्हारी वर्दी को हर दर्द बाँट लेती हुँ।

सुनो ना,
बाकी बात कभी ओर करते है।

जागृति सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मुझे घर याद आता है....

वही ऑगन, वही खिड़की, वही दर
याद आता है
अकेला जब भी होता हूँ, मुझे घर याद आता है।

मेरी बेशक्ता हिचकी, मुझे खुलकर बताती है
तेरे अपनों को गाँवों में, तू अक्सर याद आता है।

जो अपने पास हो उनकी कोई कीमत नहीं होती
हमारे भाई को ही लो, बिछड़कर याद आता है।

सफलता के सफर में तो कहाँ फुर्सत कि कुछ सोचें
मगर जब चोट लगती है, मुड़कर याद आता है मुझे।

मई और जून की गर्मी बदन से जब टपकती है,
नवम्बर याद आता है, दिसम्बर याद आता है।

वहीं ऑगन, वही खिड़की, वही दर याद आता है।।

प्यारे लाल
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## सुंदर विचार

''लोंगो से उम्मीद इंसानो वाली रखो फरिश्तों वाली नहीं आप अपनी मंजिल पर कभी नहीं पहुँच पाएंगे अगर आप, रास्ते में भौंकने वाले हर कुत्ते पर पत्थर मारेंगे, जो अपना है वो कभी दूर जाएगा ही नहीं जो दूर चला गया वो कभी अपना था ही नहीं हालात चाहे जैसे भी हो शुक्र करना शिकायत करने से हमेशा बेहतर होता हैं, मुझे इसलिए जितना है कि सब चाहते हैं कि मैं हार जाऊं उम्मीद आधी जिन्दगी हैं और मायूसी आधी मौत हैं । ''

सुशीला तिर्की
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## कहानी एक पौधे की

एक नन्हे से पौधे की कहानी है शायद कुछ जानी पहचानी है। जब खोली थी आँखे उसने पहली बरपाया सपनों का संसार .....
ख्वाबो का कारवाँ चलता गया
वक्त भी साथ गुजरता गया,
बारिश की बूंद गुदगुदाती थी उसे
हवाओं की झोंके डराते भी थे ।
ये तो थी उस पौधे की खासियत
जो उसने हार ना मानी थी,
लाख झोंको ने डराया उसे
पर उसने मन मे ठानी थी .....
ना झुकेगा वो इस वक्त आंधी से
निभाना है वह किरदार ,
जो उसके अस्तित्व की कहानी थी....
फिर एक दिन पौधा एक पेड़ बना,
दिया फल इतना जिसका कोई हिसाब ना था,
मिली राही को छाता, उसमें हुआ जीवन साकार,
आखिर यही तो है जीवन का सार .....

काजल गुप्ता
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## शिक्षा का महत्व

''सा विद्या या विमुक्तये''

शिक्षा हमारे जीवन में बहुत महत्वपुर्ण है। शिक्षा के बिना जीवन पशु के समान है, शिक्षित होने से हम मानसिक और सामाजिक दोनो तरह से जागरूक होते है और लोगों के बीच सम्मान बढ़ता है।

शिक्षा हमें आसपास होने वाली सभी चीजो से अवगत कराती है, चाहें बच्चे हो या वयस्क शिक्षा एक स्थायी प्रक्रिया है जो मृत्यु के साथ समाप्त होती है। यह एक व्यक्ति के समग्र विकास में मदद करता है क्योकि हम शिक्षा के माध्यम से ज्ञान, कौशल तथा अन्य चीजे सीख सकते है। एक व्यक्ति का दृष्टिकोण तथा व्यक्तित्व उसकी शिक्षा पर अत्यधिक निर्भर करता है, यह व्यक्ति के जीवन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भुमिका निभाता है।

शिक्षा किसी समाज में सदैव चलने वाली वह सोद्देश्य सामाजिक प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य की जन्मजात शक्तियों का विकास होता है जिससे वह सभ्य, सुसंस्कृत एव योग्य नागरिक बनता है। शिक्षा मनुष्य के भीतर अच्छे विचारों का निर्माण करती है, मनुष्य के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। उत्कृष्ट समाज निर्माण में सुशिक्षित नागरिक की भुमिका महत्वपुर्ण होती है, मनुष्यों में सोचने की शक्ति होती है, इसलिए वह सभी प्राणियो में श्रेष्ठ है।

शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक उपकरण है। हम जीवन में शिक्षा के इस उपकरण का प्रयोग करके कुछ भी अच्छा प्राप्त कर सकते है शिक्षा का समय सभी के लिए सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से महत्वपुर्ण होता है।

**''विद्या ददाति विनंय विनयाद याति पात्रताम्।**
**पात्रत्वात् धनमान्योति धनात् धर्म ततः सुखम् ।।**

अभिनव कुमार कुशवाहा
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## बारिश

बारिश जब आती है
ढेरो खुशिया लाती है
प्यासी धरती की प्यास बुझाती है
धुलों का उड़ना बदं कर जाती है
मिट्टी की मैनी सुगंध फैलाती है
बारिश जब आती है
ढेरों खुशियाँ लाती है

भीषण गर्मी से बचाती है
शीतलता हमें दे जाती है
मुसलाधार प्रहारो से पतझड़ को भगाती है।
बहारों का मौसम लाती है
बारिश जब आती है
ढेरो खुशियाँ लाती है

अमीशा लकड़ा
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## बेटी तुम बड़ी मत होना

बेटी तुम बड़ी मत होना
कुछ सवाल उठाए जायेंगे
कुछ परम्पराएँ दिखाई जायेंगी
तुम्हारी खुशी के बदले
तुम देवी बना दी जाओगी
इनकी झुठी दिलासों में
इनकी अपनी हँसी मत खोना
बेटी तुम बड़ी मत होना

समाज के ठेकेदार
हर चीज का ठेका लेते है
औरत के धर्म का ठेका लेते हैं
औरत के शर्म का ठेका लेते हैं
इनकी वाहियात लांछनो से
बेटी तुम दुःखी मत होना
बेटी तुम बड़ी मत होना

बड़ी होकर तुम न कोई
झुठी संसार बसाना
अपनी आसुं की कीमत पे
न घर परिवार बसाना
जिस रिश्तो में प्यार न हो
उस पर सती मत होना
बेटी तुम बड़ी मत होना

संध्या
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## No Instant Opinion, People !

How can a clothes defines one's morality ?

I heard somewhere your words, in your thoughts and that shows your charecter, but didn't realise when clothes have started to certify one's charecter. If you wear a saree you are sanskari and wear jeans you creep, wear shorts you are unscrupulous and a lot, so basically If they had power they would have issued a charecter certificate to every girl who wears salwar - kamiz and saree, and this is not where the matter ends, some important people attack women's choice of clothing is the name of our culture. By saying what she will impart ? As if our culture is limited to clothes.

No, our culture is diverse, it is beyond clothes, beyond trivial mindset and yes a woman wearing either turn jean or a saree will impart what she has learnt, what our culture truly teaches. us be aware of our roots, Respect for our freedom fighters, respect for elders, the difference in right and wrong, respect everyone's choices as on culture teaches us to be a judgemental on the basis of what she wears. The bottom line is people do not take a second to judge, Is that easy being judgemental?

Have beliefs, faith, opinion but not misinterpret.

Thinking you by Prashant Dubey.

**Prashant Dubey**
B.Ed. IInd Year

## NEP 2020 At A Glance
## NEP- New Education Policy

Dr. K. Kasturirangan committee Repart (31 May 2019) About 2 crore out of school children will be brought back into main stream under 2020.

MHRD renamed as education ministry

5+3+3+4=New format

Teacher

eduction

language

Indusivity

Transfer, omg curricular & Padagogical Structure.

Shikshak Parv : Examination and Assesment Reforms

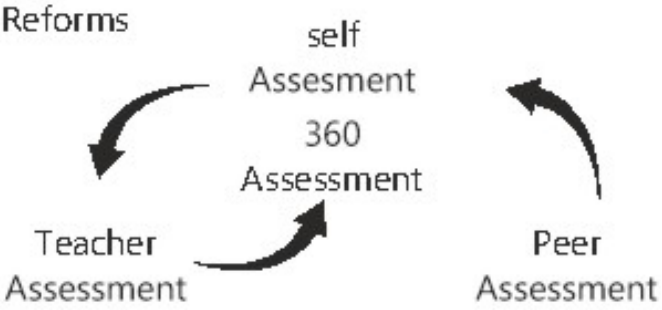


PARAKH - Performance Assesment, Review and Analysis of knowledge for holistic Development Equipping students with 21st century skills. Holistic progress card Students will be evaluated on cognitive, affective and psychomotor domains .

Reduction in curriculum content to enhance essential learning and critical thinking.

**Priya Dubey**
B.Ed. IInd Year

## Why God loves little Boys

God made little Boys in a wonderous dream of man gave them strength, courage, dignity and will And the curiosity to seek new norizons to sail fly.
Reach for the stars God loves His boys for their sperit and pride Their eagerness and with He watches ours them as they grow For it is theough the miracle of little Boys That mature man is realized And in maihhands He has placed The future of all living things.

**Vivek Kushwaha**
B.Ed. IInd Year

## Save Water

नल से टपकती बूदों का
सबसे यही कहना है,
बचा लो मुझे आज वरना
कल दर-दर भटकना है।

कृपन्ती बाई
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## विचार - तीन बातें

1. किसी को ठेस नहीं पहुँचाओ ।
2. यदि कोई आपको ठेस पहुँचाए तो बुरा मत मानो।
3. यदि बुरा लग भी जाये तो बदले की भावना मत रखो ।

## तीन बातें

1. छल - कपट को त्याग कर ।
2. बालक का हृदय लेकर ।
3. समय के महापुरूष के पास जायें ।

# सभी मनुष्य में 50 अच्छाईयाँ और 50 बुराईयाँ होती है, निर्भर यह करता है कि वह अपने 50 अच्छाईयों का प्रयोग कर रहा है या 50 बुराईयों का ।

दिव्या चौहान
बी.एड. प्रथम वर्ष

## जिंदगी पर कविता

कल एक झलक
जिंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूँढा उसे इधर उधर
वो आँख मिचौली कर मुस्करा रही थी ,
हम दोनों क्यूँ खफा है एक दूसरे से
मै उसे और वो मुझे समझा रही थी ,
मैंने पूछ लिया - क्यों इतना दर्द
दिया कमबखत तूने,
वो हँसी और बोली - मै जिंदगी हूँ
पगले, तुझे जीना सिखा रही थी ।

समा बड़ाईक
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## छत्तीसगढ़ी कविता : "सब चीज नंदावत हे"

चीव-चीव करके छानही में
चिरईया गाना गवाये।
आनी बानी के मशीन आये लें
सब चीज नंदावत हे।।
धनकुट्टी मशीन के आये ले
ढेकीं है नंदागे घर-घर जांता चले
अब कोन्टा में फेंकागे
गली गली में बोर होगे
तरिया नदिया भटागे।
घर घर में नल भागे
कुँवा ह नँदावत हे ।।
पेड़ ला कटईया सबो हे
कोनो नइ लगावत हे
आनी बानी के मशीन आये ले
सब चीज नंदावत हे।।
टेकटर के आये ले
कोनो नांगर नइ जोतत हे
गाय बइला ल पोसेल छोड़ के
कुकुर ल सब पोसत हे
कहाँ ले पाबे दूध दही
अऊ कहाँ ले पावे मेवा
लक्ष्मी ल तो छोड़ के
कुकुर के करथस सेवा
आनी बानी के मशीन आये ले
सब चीज नंदावत हे।।
मिकसी के आये ले,
सील लोढ़हा नंदागे
कुकर में खाना बनत
हड़िया ह फेकागे।
चूल्हा फूंकइया कोनो नइहे,
गेस सिलेंडर आगे।
निरमा पाउडर में बरतन मांजत
राख ह नंदागे।
जतकी सुविधा बाढ़त जावत
ओतकी आदमी अलसावत हे।
आनी बानी के मशीन आये ले
सब चीज नंदावत हे।।

बबीता सिंह
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## कविता (प्रकृति)

प्रकृति की लीला न्यारी,
कहीं बरसता पानी, बहती नदियाँ,
कहीं उफनता समुद्र है,
तो कही शांत सरोवर हैं।
प्रकृति का रूप अनोखा कभी,
कभी चलती साए - साए हवा,
तो कभी मौन हो जाती
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कभी गगन नीला, लाल, पीला हो जाता है,
तो कभी काले-सफेद बादलों से घिरा जाता है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कभी सूरज रौशनी से जग रोशन करता है,
तो कभी अँधियारी रात में चाँद तारे टिम टिमाते है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।
कभी सुखी धरा धूल उड़ाती है,
तो कभी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है,
प्रकृति की लीला न्यारी है।।

छाया गुप्ता
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## मधुशाला

मधुशाला के पन्नों पर ही
लिखी मैने मधुशाला
मधुशाला का नाम दिया
पर कर्म था उसका ग्रंथाला
कवि बचपन के पुत्र सुपुंद है
इस मधुशाला की अभिलाषा
वैसे तो मै दान नहीं माँगा करता
फिर भी इस प्रयास में अपने
गर नाम तुम्हारे जुड़ जाये
आशा है मुझको विश्व वेदी पर
अमिट तुम्हारी होगी आभा
शान बढ़ेगी मान बढेगा
दिन दूना सम्मान मिलेगा
आओ अमित आगे बढ़ आओ
रच दो अब नई मधुशाला
जिसके पथ पर चलने वाला
पढ़-पढ़ कर होगा मतवाला
धूम मचा कर रख देगी
जिस जगह बनेगी मधुशाला

पूर्णिमा कुमारी
बी.एड. द्वितीय वर्ष

## भारत में G20 का स्वागत "वासुधैव कुटुम्बकम"

भारत ने पहली बार **G20** की अध्यक्षता की। जो भारत के दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित की गयी थी। **G20** की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपी गई। भारतीय संस्कृति को इसमें इस प्रकार से रखा गया था कि विश्व के सभी देश भारतीय संस्कृति की सराहना करते रहे। भारतीय संस्कृति की बात की जाये तो अनेकता में एकता स्थापित करने की क्षमता रखता है भारतीय समाज फिर भी जो प्राचीनता से चली आ रही है वह भारत का संस्कार है जो विश्व में इसे अलग दर्शाता है। हम सभी जानते हैं, भारत "अतिथि देवो भव" को महत्व देता है इसी तरह भारत में आये **G20** के सभी सदस्यों का आदर के साथ स्वागत किया गया।

**क्या है G20 शिखर सम्मेलन :-**

जी 20 एक अन्त: सरकारी मंच है जिसमें 19 सम्प्रभु राज्य, अफ्रिकीय संघ और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इसकी स्थापना वित्तिय संकट के समाधान के लिए की गई थी। एशियाई वित्तीय संकट इसके मुख्य प्रेरक रहा है जिससे लगभग दुनिया भर में आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ा था। थाइलैंड में शुरू हुआ संकट विदेशी मुद्रा की कमी के कारण सरकार ने विदेशी कर्ज का बोझ हासिल कर लिया जिससे मुद्रा के पतन से पहले देश दिवालिया बन गया। आर्थिक संकट से प्रभावित देश इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड थे। इनके साथ-साथ अन्य देश भी बहुत अधिक प्रभावित थे। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने दक्षिण कोरिया, थाइलैण्ड और इंडोनेशिया की मुद्राओं को स्थिर करने के लिए 40 अरब डॉलर का कार्यक्रम शुरू करने के लिए कदम बढ़ाया, और 1999 के बाद एक मंच की स्थापना की गई जिसे **G20** कहते हैं। प्रारंभिक सदस्यों की संख्या 7 थी , इनमें कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, फ्रांस, जर्मनी और इटली शामिल हुए।

**भारत में G20 का स्वागत :-**

भारत सरकार ने **G20** शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे मेहमानों के लिए सबसे पहले पांच सितारा होटलों को बुक किया। साथ ही उनके भोजन में तरह तरह के ब्यंजनों को शामिल किया गया। भारतीय परंपरा के अनुसार मेहमानों को विशेष उपहार देकर उन्हें भारत की यात्रा को यादगार बनाने की कोशिश की गई। उपहारों का चयन अतिथियों को ध्यान में रखकर किया गया, जो भारतीय परंपराओं को दर्शाता है।

**भारत मंडपम :-**

**G20** दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आयोजित की गई, जिसमें मेहमानों का स्वागत **AI** एंकर ने किया। भारत मंडपम में हर फ्लोर, हर रूम और हर स्थान पर भरतीय संस्कृति व परंपरा को दर्शाया गया। वैदिक काल से लेकर 2019 तक के चुनावों की झलकियां पेश की गई। सिंधु घाटी सभ्यता, डिजिटल म्यूजियम, हिमालय पर्वत, गंगा नदी, रॉयल बंगाल टाइगर, हिंद महासागर को भी दर्शाया गया आदि।

**G20 का उद्देश्य :-**

वैश्विक वित्त को प्रबंधित करने **G20** का प्रमुख उद्देश्य था। इस वैश्विक अर्थव्यवस्था में वित्तीय मार्केट, टैक्स, आर्थिक हानि करके भागे हुए लोग, राजकोषीय नीति शामिल हैं। **G20** केवल वित्तीय संकट से ही नहीं लड़ रहा है बल्कि विश्व में पर्यावरण तथा सतत् विकास को भी आगे बढ़ाने में मिलकर कार्य कर रहा है।

इस वर्ष **G20** का प्रमुख एजेंडा में मैक्रो इकोनॉमिक पॉलिसी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विश्व व्यापार संगठन में सुधार, वित्तीय विनियमन, कराधान और व्यापार संगठन में सुधार शामिल है। साथ ही खाद्य सुरक्षा पर विशेष बल दिया गया है।

**भारत की उपलब्धि :-**

भारत पिछले बीते कुछ वर्षों में विश्व में एक प्रभावशाली देश बनकर उभरा है **G20** के सफल आयोजन से इसकी छवि पूरी दुनिया में महत्वपूर्ण बन गयी है। दुनिया को प्रभावित करने वाले लगभग सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए **G20** एक मंच बन गया है जिसका एक हिस्सा भारत भी है।

हालांकि **G20** सम्मेलन में होने वाले आयोजन का भारत में विपक्षी पार्टियों ने जमकर विरोध किया है। उसमें होने वाले व्यय को लेकर लेकिन यह भी कहना सही होगा कि इसके बाद भारत की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी विश्व के साथ जुड़कर आपस में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा साथ ही भारत के विकास मे वृद्धि की दिशा में अग्रसर होगी। इस शिखर सम्मेलन में भारत ने अपनी प्राचीन परम्पराओं, संस्कृति और भारतीय सभ्यता का पूरे विश्व को परिचय दिया है। **G20** शिखर सम्मेलन की यह 18 वीं बैठक थी। 19 वीं बैठक ब्राजील में आयोजित की जायेगी।

प्रियंका शर्मा
बी.एड. प्रथम वर्ष

## G20 में छाया, भारतीय संस्कृति का जादू, 'देशी वेशभूषा में नजर आए विदेशी मेहमान!!

दो दिवसीय **G20** के दौरान देश की राजधानी दिल्ली में महत्वपूर्ण वर्ल्ड लीडर्स का जमावड़ा लगा सभी सदस्य देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और प्रतिनिधि भाग लेते नजर आए इस दौरान विदेशी मेहमान भारत की देशी संस्कृति **(Indian outfit)** और लोक-कला के साथ घुलते-मिलते दिखाई दिए, विदेशी महिलाएं भारत के पहनावे **(Indian outfit)** जैसे साड़ी, सूट, फ्रॉक और कुर्ती में खूबसूरत नजर आई, इस सम्मेलन में जापान और यूके की फर्स्ट लेडी सहित कई बड़ी हस्तियों ने भारतीय वेशभूषा में शिरकत कर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा ..... जापान के **PM** फुमियो किशिदा की पत्नी ग्रीन बनारसी साड़ी और उससे मैच करते रेड कलर के खूबसूरत ब्लाउज में नजर आई, इस पहनावे में वो किसी भारतीय नारी जैसी दिख रही थी सबसे अच्छी बात थी कि उन्होंने साड़ी को इतने कॉनिफडेंस से पहना था मानो वह साड़ी को काफी समय से पहन रही है। भारतीय संस्कृति का जादू पूरे विश्व में फैल रहा है।

रिया तिवारी
बी.एड प्रथम वर्ष

## G20 भारत 2023

एक ही ईश्वर, एक ही धरती,
एक ही आसमां
और खून का रंग भी तो एक है
प्रकृति ने सांस लेने के लिए वायु और
पीने के लिए जल देने में नहीं किया
कोई भेद,
एक ही परिवार है संसार यह सारा क्योंकि वसुधैव
कुटुंबकम है हमारा नारा।।

काले हो या गोरे, अमीर हो या गरीब,
हर किसी को इस धरा पर
जीने का है अधिकार
लोगों में एकता प्रेम और भाईचारा ही
इस धरती को है स्वीकार, आओ काम,
क्रोध, ईर्ष्या और भेदभाव को करें नकारा
क्योंकि वसुधैव कुटुंबकम है हमारा नारा।।

हर्षा साहू
बी.एड प्रथम वर्ष

## भारत 2023 India वसुधैव कुटुम्बकम One Earth, One Family, One Future

भारत की **G20** प्रेसिडेंसी के दौरान, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने **Bussiness Today** के एक विशिष्ट साक्षात्कार में विभिन्न विषयों पर बात की। उन्होंने **G20** देशों के बीच मानव केन्द्रित विकास की ओर एक स्थानांतरण को बढ़ावा दिया, पुराने परिपेक्ष्य से नये दृष्टिकोण की ओर बढ़ते विचारों की चर्चायें प्रस्तुत की मोदी जी ने **G20** की भूमिका को एक आशा के बिजली के तौर पर दर्शाया, जो वैश्विक दक्षिण की चिंताओं और आशाओं को प्रतिबिम्ब करती है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन का मानव प्रभाव को स्वीकार करने की आवश्यकता को जोर दिया और प्रौद्योगिकी और जीवनशैली परिवर्तन के माध्यम से नवाचारों समाधानों की आवश्यकता भागीदारी किया। प्रधानमंत्री ने मास प्रवृत्तियों और व्यक्तिगत भागीदारी को असली परिवर्तन के लिए प्रेरक के रूप में बताया और भारत की भूमिका को सामान्य ढांचे के माध्यम से डेब्ट पुनर्गठन को बढ़ावा देने में भी बल दिया। मोदी जी ने भारत की **DIGITAL** भुगतान और निर्माण में सफलता को प्रस्तुत किया और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को मद्दे नजर रखकर अफ्रीकन संघ की **G20** में स्थायी सदस्यता की प्रोत्साहन किया।

पूजा यादव
बी.एड प्रथम वर्ष

# G20 भारत 2023 INDIA

**आयोजन :- 9-10 सितम्बर 2023**

**प्रस्तावित :- नई दिल्ली**

**थीम :- ''वसुधैव कुटुंबकम''**

यह प्राचीन भारतीय दर्शन के इस विचार पर प्रकाश डालता है कि सम्पूर्ण विश्व एक बड़ा परिवार है जहाँ हर व्यक्ति इस परिवार का एक सदस्य है चाहे उसकी नस्ल, धर्म, राष्ट्रीयता या जातियता कुछ भी हो।

## ONE EARTH, ONE FAMILY, ONE FUTURE

जी 20 दुनिया की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यस्थाओं के ऐजेंडे तय किए जाते हैं इसमें दुनिया की शीर्ष 19 अर्थव्यवस्था वाले देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। दुनिया भर का 85% कारोबार जी 20 सदस्य देशों में ही होती है।

**G20** को ग्रुप ऑफ ट्वेंटी भी कहा जाता है। यह यूरोपियन युनियन एवं 19 देशों का एक अनौपचारिक समूह है। जी 20 शिखर सम्मेलन की शुरूआत दिसम्बर 1999 में हुई थी। इसकी शुरूआत जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इसके बाद यह निश्चित हुआ कि साल में एक बार जी 20 राष्ट्रों के नेताओं की बैठक की जाएगी। साल 2008 में अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में इसका आयोजन किया गया।

**लोगो और थीम :-**

जी 20 का लोगो भारत के राष्ट्रीय ध्वज के जीवंत रंगों से प्रेरित है - केसरिया, सफेद और हरा तथा नीला। इसमें भारत के राष्ट्रीय फूल कमल के साथ पृथ्वी को थोड़ा जमा है।

जी-20 चुनौतियों के बीच विकास को दर्शाता है पृथ्वी जीवन के प्रति भारत के धरती अनुकूल उस दृष्टिकोण को दर्शाती है जो प्रकृति के साथ पूर्ण सामजस्य को प्रतिबिंबित करता है जी 20 दोनों के नीचे देवनागरी लिपि में भारत लिखा है।

इस सम्मेलन का आयोजन पहली बार भारत में हो रहा है अध्यक्षता - 01 दिसम्बर 2022 से 30 नवम्बर 2023।

**G20** में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन, युनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सउदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, युनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल है।

आयोजक - भारतीय **P.M.** माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी

विवेक गुप्ता
बी.एड प्रथम वर्ष

# G20 शिखर सम्मेलन

जी 20 शिखर सम्मेलन, वैश्विक मामलों की चर्चा करने और समस्याओं के समाधान के लिए विश्व के चुने हुए 20 देशों के नेताओं का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। यह सम्मेलन विश्व के विकास और आर्थिक मुद्दों पर विचार विमर्श करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें भाग लेने वाले देश विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हैं और संवैधानिक रूप से सहमति देते हैं।

**अध्यक्षता :-**

**G20** शिखर सम्मेलन की 18 वें संस्करण 2023 की आवश्यकता भारत कर रही है। 19 वें संस्करण 2024 की अध्यक्षता ब्राजील करेगा। इससे पूर्व 17 वें सम्मेलन की अध्यक्षता 2022 में इण्डोनेशिया द्वारा किया गया था।

**थीम :-**

वसुधैव कुटुम्बकम (एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य/**ONE EARTH, ONE FAMILY, ONE FUTURE**)

**G20 शेरपा :-** अमिताभ कांट

भारत (18 वाँ 2023)

(17 वाँ 2022) इण्डोनेशिया — ब्राजील (19 वाँ 2024)

**भारत की अध्यक्षता :-** 1 दिसम्बर 2022 से 30 नवम्बर 2023 तक

**मुख्य बैठक :-** नई दिल्ली भारत मण्डपम (9-10 सितम्बर 2023)

**G20 का दिल्ली घोषणा पत्र :- G20** नई दिल्ली घोषणा पत्र में एक प्रस्ताव और 10 अध्याय शामिल हैं, जिसमें आर्थिक विकास से लेकर लैंगिक समानता तक के विभिन्न विषय शामिल हैं। इस घोषणा पत्र में कुल 73 मुद्दों पर आम सहमति बनाई गई। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् में सुधार पर पहली बार समझौते को चिन्हित किया। साइबर सुरक्षा, आतंकवाद रोधी पहल को भी संबोधित किया है।

इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महत्वकांक्षी भारत-महत्वपूर्ण यूरोप आर्थिक गलियारे का अनावरण किया। इस परियोजना का उद्देश्य पश्चिम एशिया के माध्यम से भारत यूरोप तक सम्पर्क बनाना है, आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है और चीन की बेल्ट और शेड महल का विकल्प प्रदान करना है। इस शिखर सम्मेलन में पेट्रोल के साथ 20 एथेनॉल समिक्षण के वैश्विक जैव मंथन गठबंधन का भी उद्घाटन किया गया है। प्रधानमंत्री ने जलवायु कार्यवाही के लिए विकसित देशों से ऊर्जा परिवर्तन और वित्तीय सध्यता के महत्व पर जोर दिया। **G20** में अफ्रीकीय संघ को शामिल करके ''वॉयस ऑफ दी ग्लोबल साउथ'' को बढ़ावा दिया। यूक्रेन रूस संघर्ष पर साट व्यापक पैराग्राफ समर्पित करके एक गंभीर दृष्टिकोण का प्रदर्शन किया है। इसमें रूस के कार्यों को स्पष्ट रूप से निंदा करने या उसे आक्रमकता के रूप में चिंतन करने से परहेज किया है। इसमें क्षेत्रीय विजय की स्पष्ट अस्वीकृति और यूक्रेन में न्याय संगत और स्थिति भाँति की स्थापना जैसे प्रमुख सिद्धांतों पर जोर दिया गया है।

**निष्कर्ष :-** नई दिल्ली में आयोजित **G20** शिखर सम्मेलन एक ऐतिहासिक घटना है जिसने महत्वपूर्ण राजनीतिक उपलब्धियों और वैश्विक सहयोग को प्रदर्शित किया है। सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रों के साथ लाया गया और इसके विभिन्न समझौते के प्रस्ताव को तैयार किया गया, जिससे वैश्विक मंच पर एक राजनैतिक दिग्गज के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत हुई।

सत्यप्रकाश जायसवाल
बी.एड प्रथम वर्ष

## जी 20

जी 20 का पूरा नाम ग्रुप ऑफ 20 है। सर्वप्रथम **G20** की बैठक 24 वर्ष पूर्व दिसम्बर 1999 में बर्लिन में हुई थी। इसका कोई स्थानीय सचिवालय नहीं होता है। 19 देशों और यूरोपीय यूनियन के बीच एक खास तरह की रोटेशन प्रणाली चलाई जाती है। इसके सहायता से नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है।

जी 20 में यूरोपीय संघ और कई देश शामिल होते हैं, जो इस प्रकार है भारत, अमेरिका, चीन, रूस, ब्राजील, कनाडा, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, कोरिया गणराज्य, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूके हैं। जी 20 का मंच अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक मुद्दों को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके महत्वपूर्ण कार्य आर्थिक स्थिरता, वैश्विक व्यापार, ग्लोबल चैलेंज के साथ-साथ अन्य कई मुद्दों पर राय तक करना होता है।

अभी तक कुल 17 **G20** की बैठक आयोजित किए जा चुके हैं। इस बार अर्थात् 18 वीं जी 20 शिखर सम्मेलन भारत ने आयोजित किया था जिसका विषय ''वसुधैव कुटुंबकम'' था, जिसका अर्थ है ''विश्व एक परिवार है।''

आशिक मिंज
बी.एड प्रथम वर्ष

## जी 20 वसुधैव कुटुम्बकम्

मेजबान देश - भारत

दिवस - 9-10 सितम्बर 2023

**Motto** - एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य

स्थल - प्रगति मैदान, दिल्ली

नगर - नई दिल्ली, भारत

प्रतिभागी - जी -20 के सदस्य देश

पूर्व सम्मेलन - जी -20 वाली शिखर सम्मेलन 2022 अगामी सम्मेलन - जी -20 ब्राजील शिखर सम्मेलन 2024

जी 20 सम्मेलन दुनिया का एक महत्वर्पूण सम्मेलन है। इस सम्मेलन को ग्रुप ऑफ ट्वेंटी भी कहा जाता है । यह सम्मेलन इसलिए आयोजित किया जाता है। ताकि विश्व के नेता वित्तीय और आर्थिक ऐजेंडा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर बात कर सके। इस सम्मेलन में दुनिया भर के कई देश उत्साह पूर्वक हिस्सा लेते है इस सम्मेलन का इतिहास 1999 से शुरू हुआ था।

आर्थिक विकास जी 20 मंच कई विकास शील और विकसित देशो के लिए सबसे बडे प्लेटफार्म में से एक है भारत के इस दृष्टिकोण से यह भारत को दुनिया भर में कई बड़ी और अधिक विकसित अर्थव्यवस्था के साथ जोड़ने का अवसर प्रदान करेगा वित्तीय स्थिरता - वित्तीय स्थिरता के मामले में भारत में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन में वित्तीय और नियमों के संबध में चर्चा से लाभ मिल सकता है।

परमेश्वरी
बी.एड प्रथम वर्ष

# India's G20 Presidency

Why in Broadcast?

Prime Minister Shri Narendra Modi unveiled the Logo, theme & Website of INDIA'S G20 presidency.

**LOGO -**

The G20 logo draws inspiration from the vibrant colors of INDIA'S national flag - saffron, white, green & blue.

It juxtaposes planet Earth with the lotus, INDIA'S national flower that reflect growth amid challenges.

The Earth reflect INDIA'S pro-planet approach to life, one in perfect harmony with nature.

Below the G20 Logo is "BHARAT", written in the Devanagari script.

The logo was decided after on open competition for the logo design organized on My Govt. portal.

**THEME -**

The theme of INDIA'S G20 presidency - "VASUNDHARA KUTUMBKAM" or "ONE EARTH, ONE FAMILY, ONE FUTURE".

It is drawn from the ancient Sanskrit text of the Maha Upanishad.

Theme affirms the value of all life - human, animal, plant & micro-organisms & their inter connectedness on the planet Earth & in the wonder universe.

The theme also spotlight life (lifestyle for Environment), with its associated, environmentally sustainable and responsible choices both at the level of individual lifestyle as well as national development, leading to globally transformative active resulting in a cleaner, greener and bluer future.

**G20 WEBSITE -**

The website of INDIA' G20 preside-

presidency www.g20.in was also launched.

The website will seamlessly migrate to the G20 presidency website www.g20.org on 1st December 2022, the day INDIA takes over the G20 presidency.

**G20 APP -**

In addition to the website, a mobile app "G20 INDIA" has been released on both android and IOS platforms.

**ABOUT G 20 -**

The Group of Twenty (G20) is the premier forum for international economic cooperation.

Plays on important role in shaping and strengthening global architecture and governance on all major international economic issues.

**INCEPTION OF G 20 -**

It was founded in 1999 after the Asian financial crises.

It act as a forum for the finance Ministers and Central Bank Governors to discuss global economic and financial issues.

**FOCUS AREA -**

The G20 initially focused largely on broad macroeconomic issues.

But it has expanded its agenda to inter - alia include trade, climate change, sustainable development, health, energy, agriculture, environment, climate change and anti-corruption.

**ELEVATION TO LEADER'S LEVEL -**

It was upgraded to the level of Heads of State/Government in the wake of the global

economic and financial crises of 2007 and in 2009 was desegrated the "PREMIER FORUM FOR INTERNATIONAL

**ECONOMIC COOPERATION".**

The G20 summit is held annually, under the leadership of a rotating presidency.

**G20 MEMBERS -**

Argentina, Australia, Brazil, Canada, China, France, Germany, India, Indonesia, Italy, Japan, Republic of Korea, United Kingdom and United States and the European Union.

The Numbers - The G20 members represent

I) Around 85% of the global GDP.

II) Over 75% of the global trade.

III) About two-thirds of the world population.

**Pooja Singh**
B.Ed. 1st Year

# G20 भारत 2023 India
## "वसुधैव कुटुम्बकम" One Earth, One Family, One Future

**WHAT IS G20 -**

The group of twenty (G20) is the premier forum for international economic cooperation. It plays as important role in shaping and strengthening global architecture and governance on all major international economic issues. India holds the presidency of the G20 from **1st December 2022 to 30 November 2023.**

**WHAT IS G20 INDIA CONCEPT -**

As it takes the G20 presidency, India is on a mission to being about a shared global future for all through the Amrit Kaal initiative with a focus on the life movement which aims to promote environmentally concious practices and a sustainable way of bring.

**G20 HELD IN INDIA -**

On September 9th and 10th, the G20 New Delhi summit was held in New Delhi, hosted by India as the G20 presidency and Mr. KISHIDA fumio, Prime Minister of JAPAN, attended it. the overview of the summit is as follows.

**THEME OF G20 SUMMIT 2023 -**

The 18th G20 summit of 2023 recently concluded in New Delhi, India, marlcing the first ever G20 summit hosted by the country, the summit's theme "Vasudhaiva Kutumbkam" or "One Earth, One Family, One Future" is rooted in ancient Sanskrit texts and the goal of sustainable development.

**MEMBERS ARE IN THE G20 SUMMIT 2023?**

As of 2023, there are 21 members in the group :- Argentina, Mexico, Australia, Brazil, Canada, China, France, Germany, India, Indonesia, Italy, Japan, Russia, Saudi Arabia, South Africa, South Korea, Turkey, The United Kingdom, The United States, The European Union and the AFRICA Union.

**WHO HOSTED G20 IN INDIA -**

Prime Minister of INDIA Narendra Damodar Das Modi was handed over the presidency to host the event in India.

**HISTORY OF G20 -**

The G20 group of 19 countries and EV was established in 1999 as platform for finance ministers and central bank governors international economic and financial issues. Togetherness, G20 countries accounts for almost who - thirds of the global population, 75% of global trade and 85% of the world's GDP.

## HOW HAS INDIA BENEFITTED FROM G20 -

The close coordination under the auspicious of the G20 platform has not only given India officials and business indigents into various aspects of global finance and development but also access to the who's who of global decision making.

## WHAT IS THE AGENDA OF G20 2023 -

G20 has expanded on topics from economic and finance, including climate change, sustainable energy, debt relief and multinational corporation taxation for the G20 2023 summit, the discussion world resolve Increasing loans to developing nations from multilectural institutions.

**Ramayani Diwakar**
B.Ed. 1st Year

## G20 शिखर सम्मेलन

**"नई सोच नया विकास, G20 मिलकर करेगा प्रयास, सम्पूर्ण विश्व का हो विकास!!**

**G20** दुनिया की सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्थाओं का समूह है , जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की दिशा और दशा तय करना है। **G20** शिखर सम्मेलन के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था के ऐजेंडा तैयार किये जाते है। इसमें दुनिया की शीर्ष 19 अर्थव्यवस्था वाले देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं।

दुनिया भर का 80% कारोबार **G20** सदस्य देशों में ही होना है। **G20** को **Group of twenty** भी कहा जाता है। यह यूरोपियन यूनियन एवं 19 देशों का एक अनौपचरिक समूह है। **G20** शिखर सम्मेलन की शुरूआत दिसंबर 1999 में हुई थी। इसकी शुरूआत जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इसके बाद यह निश्चय हुआ कि साल में एक बार **G20** देशों के नेताओं की बैठक की जाएगी। वही **G20** मे अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, युनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल है। इस साल भारत **G20** देशों की अध्यक्षता के पद पर कार्यरत है। सरकार के स्तर पर अगला **G20** नेताओं के शिखर सम्मेलन 9 और 10 सितंबर 2023 को दिल्ली में आयोजित की गई ।

नीतु तिर्की
बी.एड. प्रथम वर्ष